शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 201 | गुवाहाटी | सोमवार, 19 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

व्यक्तिगत से उठकर राष्ट्रहित का चिंतन करते हैं स्वयंसेवक : दत्तात्रेय होसबाले पेज 2
कर नहीं चुकाने वालों की संपत्ति की हो सकती कुर्की पेज 3
जीबीसी : यूपी में 10 लाख करोड़ की 14 हजार परियोजनाओं का पीएम ... पेज 5
विलियमसन, साउदी अपना 100वां टेस्ट खेलने के लिए तैयार पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet
ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जिसकी आत्मा संयमित होती है, वही आत्मविजयी होता है।
– आचार्य चाणक्य

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में राम मंदिर पर प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन रविवार को अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें कहा गया कि राम मंदिर अगले 1,000 वर्षों के लिए भारत में *रामराज्य* की स्थापना का संकेत है। इससे पहले जय श्री राम के नारे के बीच राम मंदिर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय अधिवेशन में राम मंदिर पर प्रस्ताव पेश करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार रामराज्य की स्थापना की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि प्राचीन पवित्र नगरी अयोध्या में उनकी जन्मस्थली पर भगवान राम के भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण देश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली उपलब्धि है। यह एक नए *कालचक्र* की शुरुआत के साथ अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत में रामराज्य की स्थापना का सूत्रपात है। राम मंदिर भारत की दृष्टि, दर्शन, पथ का प्रतीक है। श्रीराम मंदिर सचमुच राष्ट्रीय चेतना का मंदिर बन गया है। संस्कृति के प्रति जागरूक इस देश के प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक क्षण को भव्यता प्रदान की और उत्सव का माहौल बनाया। प्रस्ताव में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी का संकल्प था कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बने। नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मोदी सरकार ने बिना किसी देरी के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया, जिसके परिणामस्वरूप श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से हुआ। तेज गति और मात्र चार वर्ष के भीतर 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। प्रस्ताव में कहा गया है कि संकल्प से परिपूर्ण प्रधानमंत्री मोदी अमृत काल के इस युग में देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की एकता और एकजुटता को जनभागीदारी की शक्ति मिली है। उन्होंने अपनी नीतियों और नेतृत्व से देश का मनोबल बढ़ाया है।

देश ने तय किया, पीएम मोदी ही फिर से बनेंगे प्रधानमंत्री : शाह

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा की चल रही राष्ट्रीय अधिवेशन की बैठक का आज दूसरा दिन है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि इस अधिवेशन के बाद 2047 का भारत कैसा होगा इसका पीएम मोदी का संदेश लेकर हम हर चुनाव क्षेत्र में जाएंगे। पूरे देश में कही संशय नहीं है, देश ने तय किया है कि पीएम मोदी ही फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। शाह ने कहा कि 75 साल में इस देश ने 17 लोकसभा चुनाव, 22 सरकारें, 15 प्रधानमंत्री देखें हैं। देश में जितनी सरकारें आईं सबने समयानुकूल विकास करने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

शादी में मधुमक्खियों ने मचाया तांडव 20 लोग घायल

गुना। मध्य प्रदेश के गुना में शादी समारोह के दौरान मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों ने समारोह में शामिल वर-दुल्हन के 15 से लेकर 20 लोगों को घायल कर दिया। मामला इतना बिगड़ गया कि चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। गार्डन के होटल की खिड़कियों के बाहर छोटे-बड़े 20 से ज्यादा मधुमक्खियों के छत्ते लगे -शेष पृष्ठ दो पर

अपने ही देश में घिरी इजरायली सरकार, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

तेल अवीव। हमास और इजरायल की जंग अभी भी जारी है। इस जंग के बीच अब प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने ही देश में घिर गए हैं। इजरायल की राजधानी तेल अवीव में शुक्रवार रात को हजारों लोगों ने नेतन्याहू सरकार के खिलाफ रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल में तत्काल चुनाव कराने की मांग करते हुए कहा कि सरकार केवल अपने फायदे के लिए काम कर रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा (स्वा.) और एनएससीएन के संदिग्ध उग्रवादियों ने दस श्रमिकों का किया अपहरण

बचाव अभियान में जुटी असम-अरुणाचल प्रदेश पुलिस

फाइल फोटो

तिनसुकिया। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास के एक कोयला खदान में काम करने वाले कम से कम 10 मजदूरों (खनिक) का उग्रवादियों के एक समूह ने अपहरण कर लिया है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन) और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) के संदिग्ध सदस्यों ने उनका अपहरण किया है। वारदात शनिवार (17 फरवरी) की रात की है। एक अंग्रेजी अखबार ने पुलिस के हवाले से लिखा है कि फिनबोरो कोलमाइन में कुल 14 मजदूर काम कर रहे थे। उसी समय संदिग्ध आतंकवादियों के एक समूह ने शनिवार रात असम सीमा के पास अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले से उनका अपहरण कर लिया। 14 में से चार मजदूर तो भागने में सफल रहे हैं, जबकि बाकी 10 को वे ले गए हैं। अपहरण कर ले जाए -शेष पृष्ठ दो पर

तीसरे कार्यकाल में भारत को बनाएंगे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में केंद्र सरकार की उपलब्धियों और विपक्ष की नाकामियों को गिनाते हुए आने वाले आम चुनाव में पार्टी कार्यकर्ताओं को 100 दिनों तक हर वोटर, लाभार्थी, वर्ग, समाज, पंथ, परंपरा तक पहुंचने का लक्ष्य दिया। साथ ही उन्होंने दोबारा सत्ता में वापसी पर विश्वास जताया और अगले कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक देश को विकसित बनाने का वादा किया। प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन और विशेषकर कांग्रेस पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा से वैचारिक और सैद्धांतिक लड़ाई नहीं लड़ रही है बल्कि वह स्वयं उनसे (मोदी) लड़ रही है। मोदी को गाली देना उनकी आदत हो गई है। इस मुद्दे पर पार्टी के अंदर ही मतभेद है और पार्टी दो धड़ों में बंट गई है। भारतीय विदेश नीति से जुड़ी उपलब्धियां गिनाते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया को अब समझ में आ रहा है कि भारत का विकास उसकी बेहतरी के लिए है। हाल की कतर और यूएई की यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में अब भारत के रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। इन सबका श्रेय भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

पवार को लगा एक और झटका

कोहिमा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार को नगालैंड में झटका लगा। नगालैंड विधानसभा अध्यक्ष शेरिंगेन लोंगकुमेर ने एनसीपी के सात विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका खारिज कर दी। दरअसल, आप यह सोच रहे होंगे कि एनसीपी विधायकों की अयोग्यता याचिका खारिज होने से शरद पवार को कैसे झटका लगा है तो हम आपको बता दें कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत -शेष पृष्ठ दो पर

Adobe Photoshop Clip Image is too big t वोट नहीं दिला सकती : कोनराड सांग्मा

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के अध्यक्ष कोनराड सांग्मा ने कहा है कि पूर्वोत्तर के कई राज्यों से होकर गुजरने वाली कांग्रेस की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* की मीडिया में काफी चर्चा हुई,लेकिन यह पार्टी को वोट नहीं दिला सकती है। सांग्मा ने एक साक्षात्कार में कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस यात्रा से उन्हें वह परिणाम मिलेगा जो वे चाहते हैं। कांग्रेस ने इस यात्रा के लिए जितनी ऊर्जा और संसाधन लगाए हैं, वह आगामी चुनाव में वोट और सीट में परिवर्तित नहीं हो सकते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

एसपी-डीसी दफ्तर फूंकने और हथियारों की लूट पर सीएम ने जताई चिंता

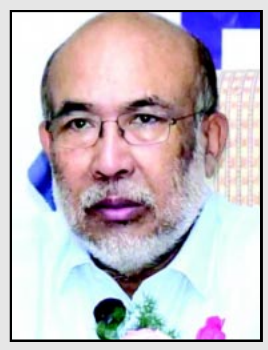

इंफाल। मणिपुर में हिंसा जारी है। इस बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि एक चुराचांदपुर जिले में हुई हिंसा और इंफाल में चिंगारेल में एक आईआरबी पोस्ट से हथियारों की हुई लूट की जांच के लिए मजिस्ट्रेट जांच शुरू की जाएगी। दोनों मामलों की अलग-अलग जांच की जाएगी। सिंह ने कहा कि लोगों की जीवन और संपत्ति की सुरक्षा करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सीएम सिंह ने अनुशासन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कॉन्सटेबल को हटाए जाने के बाद की स्थिति पर भी गौर कर चिंता व्यक्त की। उन्होंने हिंसा में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। हम चुराचांदपुर -शेष पृष्ठ दो पर

संघर्ष विराम के बावजूद हिंसा के पीछे यूएनएलएफ का हाथ, सुरक्षा एजेंसियों ने जताई चिंता

नई दिल्ली/इंफाल। पिछले साल नवंबर में केंद्र सरकार और सशस्त्र समूहों द्वारा संघर्ष विराम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। लेकिन फिर भी मणिपुर में बढ़ती हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जाहिर की है। अधिकारियों के मुताबिक, शांति समझौतों के बावजूद यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) द्वारा मणिपुर में हिंसा को बढ़ाया जा रहा है। गौरतलब है कि यूएनएलएफ (पी) ने 29 नवंबर 2023 को सरकार के साथ युद्धविराम समझौता किया था, साथ ही वादा किया था कि वह अब हिंसा का रास्ता छोड़ देंगे। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने आरोप लगा है कि मणिपुर हिंसा में यूएनएलएफ (पी) शामिल हैं। रविवार को अधिकारियों ने रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्य आदिवासियों -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान : प्रदर्शन के दौरान भिड़े पुलिस व पीटीआई समर्थक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के समर्थकों की चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभर के विभिन्न शहरों में पुलिस के साथ झड़प हो गई। *डॉन* अखबार की खबर में रविवार को बताया गया कि लाहौर में, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थक विरोध दर्ज कराने के लिए शनिवार को लाहौर प्रेस क्लब और पार्टी के जेल रोड कार्यालय के बाहर एकत्र हुए। सोशल -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में दुष्कर्म पीड़िता ने न्यायाधीश पर लगाया उत्पीड़न का आरोप, जांच के आदेश

अगरतला। त्रिपुरा की एक दुष्कर्म पीड़िता ने आरोप लगाया कि एक न्यायाधीश ने अदालत के चैंबर के अंदर उसका यौन शोषण किया। एक वरिष्ठ वकील ने बताया कि धलाई के जिला एवं सत्र न्यायाधीश गौतम सरकार अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने पीड़िता के आरोपों की जांच शुरू की है। महिला ने आरोप लगाया कि वह दुष्कर्म के संबंध में अपना बयान दर्ज कराने के लिए 16 फरवरी को कमालपुर के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के कक्ष में गई थी। महिला ने कमालपुर के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश को अपनी शिकायत दी है। शिकायत में महिला ने कहा कि मैं 16 फरवरी को अपना बयान दर्ज कराने के लिए प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के कक्ष में गई थी। जब मैं अपना बयान देने वाली थी तो न्यायाधीश ने मेरे साथ छेड़खानी की। मैं उनके चैंबर से बाहर निकली और वकीलों और अपने पति को घटना के बारे में बताया। महिला के पति ने इस घटना को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल में कलश यात्रा पर पथराव के बाद तनाव, पुलिस तैनात

काठमांडू (हि.स.)। मधेश प्रदेश के महोत्तरी जिला के गांव में शनिवार को महिलाओं की कलश यात्रा में मस्जिद के भीतर से पथराव के बाद रविवार को भी यहां स्थिति तनावपूर्ण है। इस घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। महोत्तरी जिले के सम्सी गांव में शनिवार की दोपहर को महिलाओं की कलश यात्रा पर अचानक ही पथराव हुआ था, जिसके बाद तनावग्रस्त माहौल बन गया। पुलिस ने बताया कि मस्जिद के आगे से जब कलश यात्रा गुजर रही थी कि अचानक ही मस्जिद के भीतर से पथराव शुरू हो गया। पथराव के बाद बिगड़े माहौल को संभालने के लिए पुलिस ने 3 राउंड हवाई फायर किए थे। इस झड़प में कई लोगों के घायल होने की खबर है। महोत्तरी -शेष पृष्ठ दो पर

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की बढ़ी मुश्किलें

कमलनाथ के बाद मनीष तिवारी भी भाजपा के संपर्क में

नई दिल्ली। आम चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच अब कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों की मानें तो मनीष तिवारी भी भाजपा के संपर्क में हैं और वह जल्द ही पार्टी में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान में मनीष तिवारी पंजाब के आनंदपुर साहिब से कांग्रेस के सांसद हैं। बताया जा रहा है कि मनीष तिवारी आनंदपुर साहिब की जगह भाजपा के चुनाव चिह्न पर लुधियाना लोकसभा से चुनाव लड़ना चाहते हैं। वहीं, भाजपा के सूत्रों के मुताबिक लुधियाना सीट में पार्टी के पास सक्षम उम्मीदवार है। सीट को लेकर मनीष तिवारी के भाजपा में -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्षी दलों के कई बड़े नेता भाजपा में हो सकते हैं शामिल : अनुराग

नई दिल्ली (हि.स.)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी के कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के बीच केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि कि अगले 10 दिनों में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों के 70 से अधिक बड़े -शेष पृष्ठ दो पर

अंडमान के जंगलों में मिले म्यांमार के रहने वाले छह शिकारियों के शव

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान और निकोबार स्थित नारकोंडम द्वीप में म्यांमार के रहने वाले छह शिकारियों के शव मिले है। रविवार को एक अधिकारी ने इस मामले की जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि सभी शिकारियों की मौत भुखमरी के चलते हुई है। जिस समय वे यहां पहुंचे थे, तो उनके पास मौजूद खाने-पीने का सामान खत्म हो गया था। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारी ने कहा कि द्वीप तक पहुंचने के लिए वे जिस छोटी नाव के जरिए वो इस क्षेत्र में पहुंचे थे, उसमें तकनीकी खराबी आ गई थी। जिसके कारण वह वापस नहीं लौट सकें। म्यांमार के रहने वाले शिकारियों के शव नारकोंडम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

व्यक्तिगत से उठकर राष्ट्रहित का चिंतन करते हैं स्वयंसेवक : दत्तात्रेय होसबाले

कानपुर (हि.स.)। कुम्हार की चॉक पर मिट्टी घूमते-घूमते जैसे एक विशेष वस्तु के आकार को प्राप्त कर लेती है, वैसे ही संघ की शाखा में आने वाले स्वयंसेवक व्यक्तिगत से उठकर राष्ट्रहित का चिंतन करने लगता है। उसकी दृष्टि में संपूर्ण समाज उसका परिवार हो जाता है और यही संघ का वैशिष्ट्य है, यही संघ के संस्कार हैं। या यूं कहें संघ की शाखा व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का यात्रा मार्ग है। यह बातें रविवार को कानपुर पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कानपुर महानगर की शाखा टोली के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एक मैदान एक पार्क में लगने वाली शाखा के स्वयंसेवक के लिए शाखा क्षेत्र का प्रत्येक परिवार उसका अपना परिवार हो जाता है। प्रत्येक परिवार के दुख, उत्सव स्वयंसेवकों के जीवन का अंग हो जाता है। स्वयंसेवक और संघ को अपने लिए कुछ नहीं करना है उसके लिए सर्वप्रथम देश है। शाखा एक ऐसी साधना स्थली है जहां पर आने वाला स्वयंसेवक प्रत्येक कार्य को देश समाज हित में केंद्रित करके ही सोचता है। वर्षोवर्ष साथ में ही शाखा आने वाले लोग यह नहीं जानते कि उनकी आपस में जाति क्या है। 1925 से लेकर आज तक हमने इस पवित्र संस्कार को बनाए रखा है। कहने में यह सरल लगता है परंतु इसकी निरंतरता बनाए रखना इतना सरल नहीं होता है। यह संघ के ही संस्कार हैं कि यह निरंतरता बनी हुई है। कार्यक्रम में कानपुर महानगर की बाल शाखा से लेकर प्रौढ़ शाखा की शाखा टोली के स्वयंसेवक उपस्थित रहें अर्थात आठ वर्ष की आयु से लेकर 80 वर्ष तक की आयु के स्वयंसेवक रहें। कार्यक्रम में 3576 शाखा टोली के कार्यकर्ता उपस्थित हुए। इस दौरान प्रमुख रूप से क्षेत्र संघचालक वीरेंद्र जीत सिंह, प्रांत संघचालक भवानी भीख, प्रांत प्रचारक श्रीराम सिंह, सह प्रांत प्रचारक रमेश, प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ अनुपम, विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष अजीत अग्रवाल, विभाग प्रचारक बैरिस्टर, प्रांत शारीरिक प्रमुख ओंकार आदि उपस्थित रहे।

कावैमारी में बदमाशों के हमले में एक घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रूपाहिट के कवाईमारी में एक सनसनीखेज घटना हुई। बदमाशों ने अब्दुल अजीज नामक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों के समूह बीती देर रात के समय एक युवक पर हमला कर मौके से फरार हो गये। आरोपों के अनुसार, हमलावरों की पहचान कवाईमारी के नबी हुसैन और रशिदुल हक के रूप में हुई है। सूत्रों ने बताया है काफी पहले से दोनों हमलावर अब्दुल अजीज को धमकी देते आ रहे थे। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कवाईमारी पुलिस ने घायल अजीज को कवाईमारी एफआरयू अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया है।

बिश्वनाथ ठाकुरबाड़ी मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह आरंभ

बिश्वनाथ (हिंस)। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में जिस प्रकार भक्तों का समावेश एक ऐतिहासिक क्षण था, इसी तरह से बिश्वनाथ जिला के बिश्वनाथ चारिआली में स्थित लगभग 200 वर्ष पुराने पुनर्निर्मित ठाकुरबाड़ी मंदिर में आज से सप्ताहव्यापी प्राण प्रतिष्ठा समारोह आरंभ हुआ। नए साज-सज्जा आलोकित नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ आज कलश यात्रा के साथ हुआ। कलशयात्रा में सभी समाज के हजारों की संख्या में श्रद्धालु कमलाकांत क्षेत्र (वाकिंग जोन) गुप्तकाशी बिश्वनाथ घाट से जल कलश में भरकर सिर पर रख नंगे पैर नगर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए मंदिर प्रांगण में पहुंचे। ज्ञात हो कि नवनिर्मित नगर में श्री राम दरबार, शिव-परिवार, राधा कृष्ण, हनुमान जी एवं माता रानी दरबार में अधिष्ठित ईश्वरीय मूर्तियों के लिए सांकेतिक प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का विधि विधान कलशयात्रा से शुरू हुआ। नवनिर्मित मंदिर के कलशयात्रा में सभी सनातन धर्म के हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। बिश्वनाथ जिला में पहली बार इस प्रकार कलशयात्रा में सर्वाधिक श्रद्धालु शामिल हुए। प्राण प्रतिष्ठा आगामी 19 फरवरी को वेदी पूजन, 20 फरवरी को अन्न, वस्त्र, पुष्प, फल आदि अधिवास कार्यक्रम, 21 फरवरी को प्रतिष्ठित भगवान को दिव्य स्नान, नगर परिक्रमा तथा शयन (श्य्याधिवास) कार्यक्रम, 22 फरवरी को प्रात: 5 बजे से 8 बजे अचल (स्थिर) प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं प्रात: 9 बजे से भव्य महाआरती, 23 फरवरी को वेदी पूजन तथा चतुर्थी कर्म समारोह एवं राम विवाह तथा शिव विवाह और माघी पूर्णिमा, 24 फरवरी को पूर्णाहुति के रूप में संपन्न होगा।

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में बीते 3 फरवरी को एक अज्ञात व्यक्ति को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। साढ़े पांच फूट लंबा, काले बाल वाले 25 वर्षीय उस व्यक्ति की आज दोपहर जीएमसीएच में मौत हो गई। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने इसकी पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

यात्रियों के सामान की चोरी में छह गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने नियमित जांच और अभियान चलाकर यात्रियों के सामान की चोरी के आरोप में विभिन्न स्टेशनों प ट्रेनों से छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लगभग 72.5 हजार रुपए के कीमती सामान बरामद किया। पूसीरे के सीपीआरओ ने रविवार को बताया है कि रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में इस जांच की। इस दौरान रेसुब ने ट्रेनों और गुवाहाटी, डिमापुर, किशनगंज, कटिहार, अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी आदि रेलवे स्टेशनों से लगभग 72.5 हजार रुपए के कीमती सामान बरामद किया। रेसुब के जवानों ने चोरी के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार कर बरामद सामान के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी के संबंधित प्रभारियों को सौंप दिया। पूसीरे के सीपीआरओ ने बताया है कि गत 16 फरवरी को अलीपुरद्वार की रेसुब टीम ने अलीपुरद्वार की सीपीडीएस टीम और सीआईबी टीम के साथ संयुक्त रूप से कोलकाता-गुवाहाटी ट्रेन में चोरी के दो मोबाइल फोन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसी दिन गुवाहाटी रेसुब टीम ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान चलाकर चोरी के दो मोबाइल फोन के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा। 15 फरवरी को न्यू जलपाईगुड़ी की रेसुब ट्रेन एस्कॉर्ट टीम ने ब्रह्मपुत्र मेल ट्रेन से चोरी के दो मोबाइल फोन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इसी तरह 14 फरवरी को कटिहार (पूर्व) की रेसुब टीम ने सीपीडीएस और कटिहार की जीआरपी ने कटिहार रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान चलाकर एक व्यक्ति को पकड़ा। उसके पास से चोरी का लेडी पर्स बरामद किया। उसी दिन किशनगंज की रेसुब टीम ने न्यू जलपाईगुड़ी की सीआईबी टीम ने किशनगंज रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान चलाकर चोरी का एक मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया और 13 फरवरी को डिमापुर की रेसुब टीम ने बीजी एक्सप्रेस में डिमापुर रेलवे स्टेशन पर चोरी के मोबाइल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

गोमांस के साथ 12 लोग गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के हाजो पुलिस ने अवैध रूप से गोमांस की आपूर्ति मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। हाजो पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर नबजीत नाथ के नेतृत्व में हुई छापेमारी में पुलिस ने 4 क्विंटल 11 गायों के सिर के गोमांस को जब्त किया गया। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि हाजो थाना अंतर्गत कोबरपुर, बुल्लुत, बर्नी और दक्षिण बर्नी में छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध गोमांस जब्त किया। इस मामले में 12 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

जुरिया के बालीजान में बदमाशों ने बाइक व नकदी लूटी

नगांव (हिंस)। जिले के जुरिया के बालीजान में बदमाशों ने शनिवार की रात एक व्यक्ति से उसकी बाइक और नकदी लूट ली। उसके विरोध करने पर बदमाशों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसका कान कट गया। जुरिया पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने रविवार को बताया है कि जुरिया थानांतर्गत सतिया में बीती रात चार बदमाशों ने रास्ते से गुजर रहे सैफुल इस्लाम को रोक लिया और उस पर किसी धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस हमले में सैफुल का कान कट गया। घायल की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग अपने घर से बाहर निकल आए, जिन्हें देखकर बदमाश सैफुल की बाइक और नगद रुपए लूटकर फरार हो गये। घायल सैफुल के परिजनों ने जुरिया थाने में इस मामले की प्राथमिकी दर्ज करायी है। घटना के संबंध में पुलिस ने दो बदमाशों की पहचान की है लेकिन अभी तक किसी को पकड़ नहीं पाई है।

दो दिवसीय अरुणाचल दौरे पर कल आएंगे उपराष्ट्रपति

इटानगर (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 20 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। धनखड़ अरुणाचल प्रदेश के 38वें राज्य दिवस समारोह सहित अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 फरवरी को राजधानी के इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित होने वाले राज्य दिवस समारोह के अलावा कई सरकारी कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे। वह 21 फरवरी को राजभवन में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित भी करेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

देश ने तय ...

का काम किया लेकिन समग्रता से हर क्षेत्र का, हर व्यक्ति का विकास सिर्फ पीएम मोदी के 10 साल के कार्यकाल में हुआ है। अमित शाह ने कहा कि इंडि गठबंधन और कांग्रेस पार्टी इस देश के लोकतंत्र को खत्म कर रही है। उन्होंने देश के लोकतंत्र को भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण, जातिवाद से रंग दिया। परिवारवादी पार्टियां इस तरह की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं करने में लगी रही कि कभी भी जनमत स्वतंत्र रूप से उभर कर न आए। पीएम मोदी ने 10 साल में भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण और जातिवाद को समाप्त कर विकास किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इनकी (इंडिया गठबंधन) राजनीति में उद्देश्य क्या है? पीएम मोदी आत्मनिर्भर भारत, 2047 के भारत का लक्ष्य रखते हैं। सोनिया गांधी का लक्ष्य राहुल गांधी को पीएम बनाना, पवार साहब का लक्ष्य बेटी को सीएम बनाना, ममता दीदी का लक्ष्य भतीजे को सीएम बनाना, स्टालिन का लक्ष्य बेटे को सीएम बनाना, लालू यादव का लक्ष्य बेटे को सीएम बनाना, उद्धव ठाकरे का लक्ष्य बेटे को सीएम बनाना और मुलायम सिंह यादव तो बेटे को सीएम बनाकर ही गए। जिनका लक्ष्य परिवार के लिए सत्ता हथियाना हो वह क्या गरीब का कल्याण करेगा? शाह ने कहा कि कि इस देश में 2जी, 3जी और 4जी पार्टियां है। 2जी का मतलब घोटाला नहीं है। 2जी का मतलब 2 जेनरेशन पार्टी... 4 पीढ़ी तक इनका नेता नहीं बदलता... अगर कोई आगे बढ़ गया तो ये उसका हश्र कर देते हैं, कई सारे ऐसे हश्र किए हुए लोग आज भाजपा में शामिल होकर लोकतंत्र की यात्रा में जुड़े हैं। शाह ने कहा कि मैं आज यहां से कांग्रेस को चेतावनी देना चाहता हूं कि आप रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा कर केवल इस ऐतिहासिक पल का हिस्सेदार बनने से ही नहीं कतराएं हैं, बल्कि आपने देश को महान बनाने की प्रक्रिया से खुद को दूर कर लिया है। देश की जनता ये देख भी रही है और याद भी रख रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने विदेश नीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विदेश नीतियों के क्षेत्र में यह गलत धारणा थी कि अगर आप दुनिया से दोस्ती करना चाहते हैं, तो आपको राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करना होगा। कई नेताओं को यह तय करने में संघर्ष करना पड़ा कि किस प्राथमिकता को बरकरार रखा जाए। बिना किसी हिचकिचाहट के, मोदी जी ने तय किया कि भारत की सुरक्षा से ऊपर कुछ भी नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाकर उन्होंने भारत को *विश्वामित्र* बनाने का प्रयास किया और सभी के मन में *वसुधैव कुटुंबकम* की भावना पैदा की, जिससे सभी को यह महसूस हुआ कि दुनिया एक है।

तीसरे कार्यकाल में ...

सरकार को देते हुए प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की वापसी पर विश्वास जताया और कहा कि दुनिया भी अब मान रही है कि पार्टी दोबारा सत्ता में लौटेगी। इसी कारण से आम चुनाव से पहले ही उन्हें विभिन्न देशों से उनके यहां यात्रा के निमंत्रण प्राप्त हो रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भले ही वादे पूरा न करे लेकिन झूठे वादे करने में आगे है। देश की जनता को इसका एहसास हो गया है। जनता को अब भाजपा पर भरोसा है और पार्टी कार्यकर्ताओं को अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ अगले 100 दिनों तक जनता के बीच जाना है और पार्टी के लिए वोट करने की अपील करनी है। उन्होंने कहा कि देश की जनता को पहले लगता था कि सरकारें बदलती हैं लेकिन व्यवस्था नहीं बदलती। उनकी सरकार आने के बाद से यह सोच बदली है। आज सामाजिक न्याय की भावना के साथ सरकार हर व्यवस्था को बदल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अब अपने आप विकसित होने की सोच से आगे नहीं बढ़ रहा है। अब वे बड़े लक्ष्य लेकर चल रहा है। पिछले 10 साल साहसिक निर्णयों और भविष्यवादी नीतियों के लिए जाने गए हैं। हमने दशकों से अधूरे कार्यों को पूरा करने का साहस किया है। चाहे वह राम मंदिर का निर्माण हो, करतारपुर गलियारे का उद्घाटन हो, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना हो या नई शिक्षा नीति का कार्यान्वयन हो, इन बदलावों का भारत के लोगों को लंबे समय से इंतजार था। अपने भाषण में विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने करतारपुर साहिब कोरिडोर के उदघाटन, अफगानिस्तान से सिख शरणार्थियों की वापसी और 25 दिसंबर को वीर बाल दिवस के तौर पर मनाए जाने का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि मुस्लिमों को अब हज यात्रा करने में आसानी हो रही है। महिलाओं को बिना महरम (बिना किसी पुरुष रिश्तेदार) के यात्रा करने की अनुमति मिली है।

अल्फा (स्वा.) और एनएससीएन...

गए मजदूरों के साथ काम कर रहे अन्य श्रमिकों ने बताया कि रात लगभग तीन बजे सात हथियारबंद उग्रवादियों के एक समूह ने मजदूरों को बंदूक दिखाकर एक डंपर में बैठा लिया। इसके बाद वे उन्हें अरुणाचल प्रदेश के सुदूर इलाके पुराने लोंगटोई की ओर ले गए हैं। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गुराव अभिजीत दिलीप ने रविवार (18 फरवरी) को कहा कि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि उग्रवादियों ने कितने लोगों का अपहरण किया है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश पुलिस मामले की जांच कर रही है और हम उनकी मदद कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि अपहृत व्यक्तियों में कुछ असम निवासी भी शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, बचाव अभियान के लिए अतिरिक्त बल बुलाया गया है। हालांकि, उग्रवादी समूहों की ओर से अभी तक कोई डिमांड नहीं आई है। अधिकारियों ने बताया कि उस इलाके में पहले भी ऐसी घटनाएं हुई थीं और बाद में मजदूरों को रिहा कर दिया गया था।

नगालैंड : शरद पवार ...

टकले ने 30 अगस्त, 2023 को सात विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी, क्योंकि इन विधायकों ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में समर्थन पत्र दिया था। हेमंत टकले ने सात विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल बताया था। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष को 30 अगस्त को अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की ओर से आग्रह किया गया कि सातों विधायकों के संबंध में अयोग्यता याचिका पर भारत के चुनाव आयोग द्वारा अंतिम निर्णय आने तक कोई निर्णय नहीं लिया जाए। बता दें कि एनसीपी की नगालैंड की इकाई के अध्यक्ष वानथुंगो ओडयू ने विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय को 6 फरवरी को चुनाव आयोग द्वारा पार्टी चुनाव चिह्न को लेकर जारी किए गए आदेश को उपलब्ध कराया। नगालैंड विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए पिक्टो शोहे, पी लॉन्गोन, नामरी नचांग, वाई म्होनबेमो हम्त्सो, एस तोइहो येप्थो, वाई मनखाओ कोन्याक और ए पोंगशी फोम को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि एनसीपी पर चुनाव आयोग का निर्णय अजित पवार गुट के पक्ष में था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने फैसला किया कि अजित पवार के नेतृत्व वाला गुट एनसीपी और चुनाव चिह्न का हकदार है। उन्होंने कहा कि एनसीपी के वैध नेता का समर्थन करना पार्टी विरोधी गतिविधियों के समान नहीं होगा और न ही अपनी मर्जी से पार्टी की सदस्यता छोड़ना और मामले में आगे बढ़ना निरर्थक होगा। लोंगकुमेर ने दसवीं अनुसूची के पैरा 2(1) ए का हवाला देते हुए कहा कि सात विधायक अयोग्य घोषित होने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। ऐसे में याचिका खारिज कर दी गई।

कांग्रेस की यात्रा ...

हुई थी और यह यात्रा 22 जनवरी को मेघालय से होकर गुजरी थी। देश में अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले यह यात्रा आठ पूर्वोत्तर राज्यों में से पांच से होकर गुजरी थी। सांग्मा ने कहा कि जब आप कुछ करते हैं, तो आप उसमें जो भी ऊर्जा लगाएंगे, जाहिर तौर पर उसका किसी न किसी तरह से कुछ प्रभाव पड़ेगा। सवाल ये है कि इसका कितना असर होगा। इस यात्रा में जितनी ऊर्जा लगाई गई है, क्या उससे उतनी ही मात्रा में वोट कांग्रेस पार्टी के पक्ष में आएंगे? मुझे इस पर संदेह है। मेघालय के मुख्यमंत्री ने कहा कि हां, यह सच है कि मीडिया में इसकी बड़ीचर्चा है लेकिन चुनाव जीतना सिर्फ एक यात्रा से कहीं अधिक है। कांग्रेस के पास आंतरिक, संगठनात्मक रूप से बहुत सारे मुद्दे हैं और ऐसे कई कारक हैं जिन्हें हल करने की आवश्यकता है। यात्रा जारी है और इतने सारे लोग कांग्रेस पार्टी छोड़ रहे हैं। यह चिंता का विषय है, जिसका उन्हें समाधान निकालने की आवश्यकता है। उन्हें अपने घर को एक तरह से व्यवस्थित करना होगा। मेघालय की शिलांग सीट से कांग्रेस के विंसेंट पाला सांसद हैं, जबकि एनपीपी की अगाथा सांग्मा तुरा से सांसद हैं। एनपीपी ने इस बार शिलांग से राज्य मंत्री अम्पारीन लिंगदोह की उम्मीदवारी की घोषणा की है। जबकि अगाथा सांग्मा तुरा से फिर चुनाव लड़ेंगी।

संघर्ष विराम के बावजूद...

को निशाना बनाने की लगातार साजिश रच रहे हैं, जिसके लिए वे कुकी आबादी वाले क्षेत्रों के समीप अपने ठिकानों को स्थापित कर रहे हैं। जमीनी रिपोर्ट्स का जिक्र करते हुए अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों और आम जनता दोनों के खिलाफ हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है और इसके पीछे यूएनएलएफ (पी) के विद्रोही हैं। गौरतलब है कि 13 फरवरी को मणिपुर पूर्व के चिंगारेल में पांचवीं इंडिया रिजर्व बटालियन से हथियार और गोला बारूद बड़ी संख्या में लूटे गए थे, जिसमें इस विद्रोही संगठन के शामिल होने की बात सामने आई है। 13 फरवरी की लूटपाट की घटना के बाद पुलिस ने दो यूएनएलएफ के छह लोगों को गिरफ्तार किया था, जिसमें आगे की जांच जारी है। हाल ही में मोइरांगपुरेल, तुमुहोंग और इथम जैसे कई क्षेत्रों में यूएनएलएफ (पी) की गतिविधियां बढ़ गई है। बता दें सात फरवरी, 2024 को, यूएनएलएफ (पी) ने कुकी जिले चुराचांदपुर की ओर जाने वाले वाहनों पर मोइरंगपुरेल में गोलीबारी की थी। इस दौरान विद्रोही समूह के सदस्यों ने कुकी समुदाय को निशाना बनाने का दावा करते हुए सोशल मीडिया पर लाइव अपडेट दिया था। अधिकारियों ने कहा कि मणिपुर के चुराचांदपुर में हाल ही की हिंसा में यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों को प्रतीक चिह्न की वर्दी के साथ देखा गया था। गौरतलब है कि पिछले साल मई से मणिपुर में मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष में 180 से अधिक लोगों की जान चली गई है।

पाकिस्तान : प्रदर्शन के ...

मीडिया पर प्रसारित वीडियो क्लिप में पुलिसकर्मी जेल रोड पर *पीटीआई* के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले वकील को घसीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। पीटीआई के एक अन्य उम्मीदवार अली इजाज बुट्टर को भी बुजुर्ग पुरुषों, महिलाओं और एक बच्चे के साथ गिरफ्तार किया गया है। पंजाब प्रांत के कई शहरों में प्रदर्शनकारियों के इकट्ठा होने से पहले ही पुलिस प्रदर्शन स्थल पर पहुंच गई और पार्टी के कई नेताओं, उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया। डॉन की खबर में कहा गया है कि पार्टी के संस्थापक इमरान खान के आह्वान पर एकत्र हुए पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने नारेबाजी की। कराची में, सैकड़ों पीटीआई कार्यकर्ता और समर्थक शहर के सदर इलाके में पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के सिंध कार्यालय के बाहर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने कथित धांधली के खिलाफ नारे लगाए और न्यायपालिका एवं सरकारी संस्थानों से हस्तक्षेप करने और परिणामों में *खामियों* को सुधारने की मांग की।

त्रिपुरा में दुष्कर्म पीड़िता ...

कमालपुर बार एसोसिएशन में अलग शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश गौतम कुमार और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यजीत दास मामले की जांच के लिए कमालपुर के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कार्यालय पहुंचे। इसके बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने अदालत परिसर में कमालपुर बार एसोसिएशन के सदस्यों से भी मुलाकात की। समिति ने महिला के आरोपों पर उनका पक्ष जाना। बार एसोसिएशन के सचिव शिवेंद्र दासगुप्ता ने कहा कि हमने बिंदुवार तरीके से अपनी बात को समिति के समक्ष रखा है। न्यायाधीश के खिलाफ आरोपों पर त्रिपुरा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल वी पांडे ने कहा कि हमें इस मामले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। राज्य के अन्य लोगों की तरह मुझे भी मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से इसके बारे में पता चला। एक बार जब हमें उचित प्रारूप में शिकायत मिलेगी, तो हम निश्चित रूप से उचित कार्रवाई करेंगे।

एसपी-डीसी दफ्तर ...

में दो लोगों की और पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में एक व्यक्ति की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं। हम घटना की कड़ी निंदा करते हैं। पुलिस ट्रेनिंग अकादमी से चार इंसास राइफलें, एक एके घटक 2, एसएलआर की मैगजीन और 9 मिमी गोला बारूद के सोलह छोटे बक्से बरामद चुराए गए थे। सिंह ने चुराचांदपुर स्थित स्वदेशी जनजातीय नेता मंच द्वारा एसपी-डीसी को दी गई धमकी भरी मांगों की भी निंदा की। सीएम ने कहा कि एसपी को 24 घंटे के अंदर जिला छोड़ने की धमकी और एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर उन्हें जान से मारने की धमकी भरी पोस्ट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ऐसी धमकियों को आसानी से नहीं लेती। धमकाने वाले युवक पर एफआईआर करा दी गई है। डीसी कार्यालय को जलाने के मामले में उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त बंगले की मरम्मत कराई जाएगी। आरोपियों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे। सीएम ने विभाजनकारी राजनीति की आलोचना की। सीएम ने युवाओं को गुमराह करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की कसम खाई। सुगनू गांव में हो रही गोलीबारी के मामले में सिंह ने कहा कि राज्य और राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। अतिरिक्त बलों को वहां भेज दिया गया है और तलाशी अभियान जारी है।

नेपाल में कलश ...

के डीएसपी चंदेश्वर यादव ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बावजूद पथराव होना दुखद है। स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए तीन राउंड हवाई फायर करने पड़े। उन्होंने बताया कि पथराव करने वाली तीन महिलाओं को मस्जिद परिसर से गिरफ्तार किया गया है। जिला प्रशासन ने सम्सी गांव और आसपास के इलाके में बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों को तैनात किया है। इसके अलावा जिला प्रशासन ने दोनों पक्षों को वार्ता के लिए बुलाया है। मुस्लिम पक्ष का आरोप है कि पहले कलश यात्रा में शामिल लोगों की तरफ से मस्जिद के भीतर पथराव किया था लेकिन हिन्दू पक्ष ने इन आरोपों का खंडन किया है। हिन्दू पक्ष का कहना है कि शान्तिपूर्ण माहौल में कलश यात्रा हो रही थी, लेकिन मस्जिद के इलाके से गुजरने पर कलश यात्रा में शामिल महिलाओं पर पथराव शुरू हो गया। फिलहाल तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिसबल तैनात किया गया है।

कमलनाथ के बाद ...

शामिल होने को लेकर पेंच फंसा हुआ है। बता दें कि, 17वीं लोकसभा में मनीष तिवारी पंजाब के आनंदपुर साहिब से कांग्रेस सांसद चुने गए। यूपीए सरकार के दौरान वह 2012 से 2014 तक सूचना और प्रसारण मंत्री रहे जबकि 2009 से 2014 तक लुधियाना से सांसद रहे हैं। 2004 के लोकसभा चुनाव हार गए लेकिन शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार को हराकर 2009 में लोकसभा का चुनाव जीता। मनीष तिवारी 1988 से 1993 तक भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ के अध्यक्ष रहे थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की अटकलों के बीच उनके बेटे एवं सांसद नकुलनाथ ने सोशल मीडिया पर अपने परिचय से कांग्रेस हटा दिया है। नकुलनाथ के इस कदम ने पिछले कुछ दिनों से जारी उन कयासों को और हवा दी है कि वह अपने पिता के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद कमलनाथ ने भाजपा में शामिल होने की अटकलों से जुड़े सवालों पर संवाददाताओं से कहा कि आप लोग बहुत उत्साहित हो रहे हैं। यह मैं नहीं कह रहा हूं, आप लोग कह रहे हैं। अगर ऐसी कोई बात होगी तो सबसे पहले आप लोगों को जानकारी दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं उत्साहित नहीं हूं, न इस तरफ, न उस तरफ। अगर ऐसी कोई बात होगी तो सबसे पहले आप लोगों को खबर करूंगा।

विपक्षी दलों के ...

नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन के बाद अनुराग ठाकुर ने रविवार को मीडिया से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों से प्रभावित हो कर विपक्षी दलों के 70 से अधिक नेता 20 से 29 फरवरी के बीच भाजपा में शामिल हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कमलनाथ, नकुलनाथ, मनीष तिवारी के भाजपा में शामिल होने की अटकलें हैं। इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने भाजपा का दामन थाम लिया। उनके साथ कुछ विधायक भी पाला बदल चुके हैं।

अंडमान के जंगलों ...

द्वीप के जंगल से कुछ मीटर की दूरी पर मिलें। गौरतलब है कि उत्तरी और मध्य अंडमान जिले में नारकोंडम म्यांमार के कोको द्वीप से केवल 126 किमी दूर है। यह एंडेसाइट नामक ज्वालामुखीय चट्टान से बना है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा इस द्वीप को सुप्त ज्वालामुखी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अंडमान पुलिस ने एक सर्च ऑपरेशन के दौरान नारकोंडम द्वीप से दो म्यांमार शिकारियों को 14 फरवरी को पकड़ा था। अधिकारी ने कहा कि उन्हें पोर्ट ब्लेयर लाया गया और सीआईडी को सौंप दिया गया है। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि उनके देश के छह और लोग नारकोंडम के जंगल में छिपे हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि तुरंत, अंडमान पुलिस की एक खोजी टीम कार्रवाई में जुट गई और उन्हें छह शिकारियों के शव मिले। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारी ने कहा कि उनके पास राशन और पीने का पानी खत्म हो गया और संभवत: भूख से उनकी मौत हो गई। उनके शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं हैं। उनकी मौत का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा। शवों को तटरक्षक बल की मदद से पोर्ट ब्लेयर के जीबी पंत अस्पताल लाया गया और आगे की जांच जारी है। गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों में द्वीप समूह से म्यांमार के 100 से अधिक शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। इन कार्रवाई के दौरान उनके पास से बड़ी संख्या में समुद्री खीरे, टर्बो घोंघे जब्त किए गए हैं। शिकारी मुख्य रूप से समुद्री खीरे और टर्बो घोंघे इकट्ठा करने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में घुसते हैं। समुद्री खीरे अत्यधिक खतरे में हैं और वे समुद्र तल पर जमा होने वाले पदार्थ को खाकर समुद्र तल को साफ रखने में मदद करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इनका इस्तेमाल औषधीय प्रयोजनों के लिए किया जाता है। कई एशियाई देशों में विदेशी व्यंजनों और शोपीस, आभूषण सहित सजावटी उद्देश्यों के लिए टर्बो घोंघे की भी मांग है।

शादी में मधुमक्खियों ...

हैं। शहर की श्रीरामलीला एवं दशहरा पर्व समिति अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल की बेटी की शादी थी। इसके लिए उन्होंने 17 एवं 18 फरवरी के लिए कस्तूरी गार्डन और होटल को बुक किया था। इस होटल में वर पक्ष के लोग भी आ चुके थे। शनिवार को शादी की रस्में चल रही थी। सुबह तो लोगों ने इधर-उधर भागकर खुद को बचा लिया। लेकिन दोपहर और शाम में मेहमान मधुमक्खियों के आंतक से बच नहीं पाए। मधुमक्खियों ने दुल्हन के पिता प्रमोद अग्रवाल को भी अपना शिकार बना लिया। दुल्हन के पिता प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि मधुमक्खियों के हमले के बाद सभी रिश्तेदार दहशत में हैं। मधुमक्खियों से बचने के लिए पर्दे लगाकर किसी तरह शादी कार्यक्रम पूरा किया जा सका। मधुमक्खियों को लेकर जब गार्डन संचालक से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इस मामले पर वो कुछ नहीं कर सकते। उन्हे शादी इसी माहौल में करनी होगी।

अपने ही देश में ...

इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने देशभक्ति के गीत गाए और साथ ही नेतन्याहू की आलोचना करने पोस्टर को भी पकड़ रखा था। यह प्रदर्शन एक ही जगह पर नहीं हुए बल्कि शहर के अन्य हिस्सों में भी हुए। दूसरी जगह पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सरकार से हमास द्वारा बंधक बनाए गए नागरिकों को तुरंत रिहा करवाने के लिए और अधिक प्रयास करने की मांग की और *बंधकों को घर लाओ* जैसे नारे लगाए। हमास के साथ संघर्ष विराम के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए लगातार इजरायल की राजधानी तेल अवीव में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इजरायली एक वर्ग में हमास प्रकरण को लेकर बहुत असंतोष है और लोग इस सारी गड़बड़ी के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू को दोषी ठहरा रहे हैं। आपको बता दें कि नेतन्याहू ने हमास के खात्मे की कसम खाई है। नेतन्याहू दो टूक कह चुके हैं कि जब तक हमास बंधकों की रिहाई नहीं कर देता है, तब तक सीजफायर नहीं किया जाएगा। इजरायल लगातार अपने हमले जारी रखेगा, क्योंकि ये हमास के सामने घुटने टेकने जैसा होगा। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल के हवाई और जमीनी हमले ने गाजा के अधिकांश हिस्से तबाह कर दिए हैं, जिसमें 28,775 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर नागरिक भी शामिल हैं। इजरायली आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्तूबर को हमास के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर नागरिक थे। हमास के आंतकियों ने 253 बंधकों को भी पकड़ लिया, हालांकि उनमें से 100 से अधिक को नवंबर के अंत में संघर्ष विराम के दौरान रिहा कर दिया गया।

कर नहीं चुकाने वालों की संपत्ति की हो सकती कुर्की

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) द्वारा संपत्ति कर तथा दुकानों का ट्रेड लाइसेंस कर नहीं चुकाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किया जा रहा है। कर नहीं चुकाने वाले 50 से अधिक संपत्ति मालिकों को संपत्ति जब्त करने का नोटिस दिया गया है। इन 50 लोगों के विरुद्ध जीएमसी का दो करोड़ रुपए से अधिक की बकाया राशि लंबित है। गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार इस कार्रवाई के जरिए संपत्ति कर नहीं चुकाने वालों की संपत्ति गुवाहाटी नगरपालिका अधिनियम 1971 की धारा 189(1) और 189(2) के तहत जीएमसी द्वारा कुर्की की जा सकती है। इसी बीच जीएमसी द्वारा ट्रेड लाइसेंस के नियमों का अनुपालन न करने वाले दो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और एक व्यवसायी पर जुर्माना लगाया गया है। राजधानी के एनसी रोड पर स्थित एडी सर्विस सेंटर पर 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दोपहिया वाहनों की बिक्री के लिए ट्रेड लाइसेंस के बिना संचालन के लिए प्रतिष्ठान चलाने के लिए या जुर्माना लगाया गया। इसी तरह लोखरा रोड पर एआर स्टील ट्रेडिंग नामक प्रतिष्ठान को उचित व्यापार लाइसेंस बनाने के लिए दंडित किया गया है। इसके अतिरिक्त, मदन लाल पारीक पर नगर निगम के नियमों का उल्लंघन करते हुए केवल एक व्यापार लाइसेंस के पर लोखरा रोड पर दो व्यवसाय चलाने के लिए जुर्माना लगाया गया है। जीएमसी द्वारा पूरे शहर में जोरदार अभियान चलाया जा रहा है।

बाल मंच, पूर्वोत्तर की बहुभाषी काव्य गोष्ठी संपन्न

गुवाहाटी। आज बाल मंच, पूर्वोत्तर की की बहुभाषी काव्य गोष्ठी गूगल मीट पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मंच की महासचिव डॉन बॉस्को स्कूल की ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा गरियशी कश्यप ने गुरु वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि के रूप में विशिष्ट कवयित्री तथा लेखिका डॉ. मंजुला हुसैन जी ने उपस्थित रहकर गोष्ठी की शोभा बढ़ाई। संयोजक मालविका मेधा द्वारा रचित सरस्वती वंदना गाकर मां शारदे को नमन करती हुई गरियशी ने सर्वप्रथम बाल मंच के संस्थापक, विशिष्ट कवि एवं गायक पटियाला के डॉ. नरेश नाज जी का आभार प्रकट किया जिन्होंने बच्चों को कविता की दुनिया से पहचान कराई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए उनका अभिवादन किया। यह अठारह वर्ष तक के बच्चों के द्वारा, बच्चों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था हैं जो भारत के अलग अलग राज्यों के साथ विदेशों में भी हर महीने एक काव्य गोष्ठी कर अपनी- अपनी मातृभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिंदी में कविता पाठ सहित सृजन में महत्व देती है। बाल मंच, पूर्वोत्तर की अध्यक्ष मालविका *मेधा* की छत्रछाया में सही उच्चारण, लय एवं गति के साथ असमिया और हिंदी दोनों भाषाओं के प्रति आकर्षण बढ़कर इनमें कविता पाठ और लिखने की प्रेरणा दी जाती हैं। किसी भी शुल्क के बिना यह मंच बच्चों में स्वभाषा के प्रति प्रेम व निष्ठा जागृत करने में प्रयासरत है। कुल 9 बच्चों के हिंदी और असमिया कविता पाठ के कार्यक्रम को गरियशी के शानदार संचालन और

मंजुला जी की संक्षिप्त पर सार्थक समीक्षा ने चार चांद लगा दिए। केजी कक्षा के निवम हालोई ने असमिया में और हिंदी में केजी के अभिज्ञान आरव मंडल, दूसरी की गार्गी चेटिया, प्रियांशी बोरा व मेघ देव चौधरी, चौथी के मृगज प्रतिम दास, खुशबू शर्मा तथा पांचवी के आरण बरुवा ने प्रसिद्ध कवियों की अलग-अलग भावों पर कविताएं पाठ करके सबको मोहित कर दिया। तीसरी की छात्रा रश्मिनंदा कलिता ने स्वरचित *रामधेनू* शीर्षक असमिया कविता का पाठ करके सबको आश्चर्यचकित किया। अंत में मंजुला ने विद्यार्थियों का सुंदर शब्दों में उत्साहवर्धन करके रसराज लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा जी की कहानी *नुमलिया पो* के स्वरचित काव्य रूप का पाठ किया। उन्होंने सबकी प्रशंसा करते हुए कविता पाठ के नियम को दोहराए एवं प्रतियोगिताओं में योगदान करके बाल मंच में कविता पाठ की अपनी चर्चा जारी रखने को कहा। आनेवाली वार्षिक परीक्षा के लिए सबको शुभकामनाएं देकर गरियशी ने धन्यवाद ज्ञापन कर गोष्ठी का समापन किया।

सत्र आयोग के अध्यक्ष प्रदीप हजारिका ने कई क्षेत्रों का दौरा कर लिया स्थिति का जायजा

रंगिया (विभास)। असम के सत्रों की भूमि समस्याओं का आकलन और पुनरुद्धार करने के लिए गठित आयोग का काम अब करीब आ गया है। आयोग के अध्यक्ष प्रदीप हजारिका ने रविवार को कामरूप जिले के कई सत्रों का दौरा करने के बाद एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सत्र की पूर्व विरासत धूमिल हो गई है। बैष्णव गुरुओं के आदर्शों में स्थापित ये सत्र असमिया जाती की जीवनधारा हैं। यदि सत्र नष्ट हो गये तो असमिया जाती भी नष्ट हो जायेगी। इसलिए, इन सत्रों का पुनरुद्धार किया जाना चाहिए। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने पहली बार असम में सत्रों की भूमि समस्या को हल करने के लिए कदम उठाया है। हजारिका ने कहा कि इस उद्देश्य के लिए गठित आयोग निश्चित रूप से इस संबंध में अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा करने का प्रयास करेगा। पूर्व मंत्री तथा आमगुड़ी के विधायक ने सभी संबंधित पक्षों से इस संबंध में सटीक जानकारी प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कुछ जिलों से अभी तक पूरा और सटीक डेटा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कई जिलों के प्रशासन और सत्र प्रबंधन समितियों से पूरी जानकारी नहीं मिलने

के कारण आयोग को अपना काम पूरा करने में देरी हुई है । उन्होंने कहा कि आयोग ने अपना काम कर लिया है लेकिन कई सत्रों का दौरा छूट जाने के कारण कामरूप जिले में वापस आना होगा। बैठक में कामरूप जिले के आधा सैकड़ा से अधिक सत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपने-अपने सत्रों की भूमि के संबंध में बातचीत की। बैठक में आयोग के सदस्यों में से एक मृणाल शइकिया, कार्यवाहक सलाहकार माधव प्रसाद शर्मा, कनिष्ठ सलाहकार अतुल दास, कामरूप जिले के जिला आयुक्त नरसिंह बे, अतिरिक्त आयुक्त कमल बरुवा और जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा सहित सभी राजस्व चक्र अधिकारी उपस्थित थे। वहीं इससे पहले सुबह प्रदीप हजारिका के नेतृत्व में आये आयोग ने कामरूप जिले के उत्तर पार के कमलपुर राजस्व चक्र के साजेइ गांव के कलाठाकुर सत्र, कोया राजस्व चक्र के अंतर्गत बालिसत्र सत्संगी सत्र, रंगिया राजस्व चक्र के अंतर्गत नबुरका सत्र और पूरान बुर्का सत्र का दौरा किया और सत्र अधिकारियों के साथ चर्चा की।

सूर्य पहाड़ महापीठ स्थल पर 10 दिवसीय श्री विष्णु यज्ञ 23 से

ग्वालपाड़ा (हिंस)। विश्व शांति के लिए ग्वालपाड़ा जिले के ऐतिहासिक श्रीश्री सूर्य पहाड़ महापीठ स्थल पर 10 दिवसीय श्री विष्णु यज्ञ व मेला उत्सव आयोजित किया जाएगा। माघी पूर्णिमा के अवसर पर पूर्वोत्तर में एलोरा तथा दूसरा काशी के रूप में प्रसिद्ध श्रीश्री सूर्य पहाड़ महापीठ स्थल पर 23 फरवरी से 3 मार्च तक श्रीश्री विष्णु यज्ञ के साथ मेला उत्सव आयोजित किया जाएगा। दस दिवसीय विष्णु यज्ञ सह मेला समारोह में कई कार्यक्रम शामिल किए गए हैं। धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके लिए अभी से तैयारी चल रही है। गौरतलब है कि माघी पूर्णिमा के अवसर पर श्रीश्री सूर्य पहाड़ में विष्णु यज्ञ के अलावा श्रीश्री सूर्य नारायण देव की पूजा, श्रीश्री द्वादश भुजा की पूजा, महावीर हनुमान की पूजा, शिव पूजा, गीता पाठ आदि धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किए जाएंगे।

लैक्मे सैलून ने लालगणेश में ट्रेंडसेटिंग सेवाएं शुरू की

गुवाहाटी (विभास)। भारत की पहली और अग्रणी ब्यूटी और वेलनेस सैलून श्रृंखला, लैक्मे सैलून ने अपनी विस्तार यात्रा में एक और मील का पत्थर जोड़ते हुए लालगणेश में अपना बिल्कुल नया यूनिसेक्स सैलून को आज शुभारंभ किया है। 1750 वर्ग फुट में फैला, यह नया वन-स्टॉप ब्यूटी और सौंदर्य गंतव्य सभी को बाल, मेकअप, त्वचा देखभाल, नाखून और हाथ और पैरों की सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ व विश्व स्तरीय सैलून अनुभव प्रदान करेगा। सैलून का लक्ष्य लालगणेश के उन निवासियों की जरूरतों को पूरा करना है जो ट्रेंडसेटिंग सेवाएं चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, यह सैलून लक्मे सैलून की त्वचा, मेकअप और बाल विशेषज्ञों की टीम द्वारा दुल्हनों को तैयार करने के लिए एक आदर्श स्थान है। भारत के रनवे विशेषज्ञों द्वारा स्टाइल किए जाने के अलावा, अत्याधुनिक सैलून ग्राहकों को समग्र सौंदर्य सेवाएं प्रदान करेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ग्राहकों को अद्वितीय और शीर्ष पायदान की सेवाएं प्राप्त हों, लैक्मे सैलून ने अग्रणी और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वैश्विक ब्रांडों जैसे कि डर्मेलोगिका, श्वार्जकोफ प्रोफेशनल, के9, मिल्कशेक, मोरक्कन ऑयल आदि के साथ समझोता किया है। लांच के अवसर पर बोलते हुए लैक्मे लीवर के सीईओ विपुल चतुर्वेदी ने कहा कि जैसा कि लैक्मे सैलून ने लालगणेश में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, हम रोजमर्रा की जिंदगी को रनवे की तरह ग्लैमरस बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाने के लिए रोमांचित हैं। चार दशकों की विरासत के साथ, लैक्मे फैशन वीक बैकस्टेज टीम द्वारा प्रशिक्षित हमारे विशेषज्ञ गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने के लिए तैयार हैं।

हिमालय ऑप्टिकल ने छह माइल में अपना 5वां प्रीमियम स्टोर खोला

हिमालय ऑप्टिकल न (विभास)। आंखों को *परफेक्ट विजन* देने के उद्देश्य से, हिमालय ऑप्टिकल ने 1935 में अपनी यात्रा शुरू की थी और देश में प्रसिद्ध ऑप्टिकल खुदरा विक्रेताओं में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रही। गुवाहाटी में 4 स्टोर के साथ, हिमालय ऑप्टिकल महानगर के छह माइल में अपना 5वां ईंट और मोर्टार स्टोर का शुभारंभ आज किया गया है। स्टोर के उद्घाटन के मौके पर आशीष जालान और उनके व्यापारिक सहयोगी मुकेश अचंतानी सहित कई की गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री जालान ने कहा कि ब्रांड हमेशा अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम अनुभव देने के लिए अपने तरीकों को नया रूप देना चाहता है। सभी नवीनतम ट्रेंडी आईवियर रखने से लेकर आंखों की सटीक जांच के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग करने तक, हम हमेशा बदलते बाजारों और इसकी मांगों के लिए तैयार रहना चाहते हैं। हालाँकि हिमालय ऑप्टिकल को इस ऑप्टिकल रिटेलिंग व्यवसाय में 85 साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन हर नए स्टोर का लांच एक नई शुरुआत है। दृढ़ता, निष्ठा, धैर्य और अथकता के चार स्तंभों पर आधारित ब्रांड आगे बढ़ने और उल्लेखनीय रूप से विस्तार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होने कहा की ग्राहकों की लगातार बदलती जरूरतें और अपेक्षाएं को ध्यान में रखते हुए हिमालय ऑप्टिकल जैसे बड़े ब्रांड ने ग्राहकों को सहज अनुभव देना आवश्यक बना रही हैं। यह नया स्टोर ब्रांड की शानदार यात्रा में एक और मील का पत्थर है, जो पूर्वात्तर के इस शहर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। इस

स्टोर में विशिष्ट ब्रांडों और लक्जरी ब्रांडों का मिश्रण है। हमारा चयन लिंडबर्ग, मोंट ब्लांक, कार्टियर, गुच्ची, प्रादा, टॉम फोर्ड सहित 60 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के शिखर को प्रदर्शित करता है। इन आईवियर संग्रहों के अलावा कॉन्टैक्ट लेंस और उच्च गुणवत्ता वाले नेत्र लेंस की एक विस्तृत श्रृंखला भी उपलब्ध हैं। सर्वोत्तम गुणवत्ता और आंखों की सटीक जांच अनुभवी ऑप्टोमेट्रिस्ट द्वारा की जाती है, स्टोर में नवीनतम हाई-एंड नेत्र परीक्षण तकनीक है। पेशेवर ऑप्टोमेट्रिस्ट परिचालन घंटों के दौरान चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। हिमालय ऑप्टिकल अपने ग्राहकों की सबसे बेहतर नेत्र देखभाल आवश्यकताओं को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता में अटल है, जो वास्तव में भव्य 360-डिग्री नेत्र परीक्षण प्रदान करता है, जो विश्व स्तरीय, उच्च प्रशिक्षित ऑप्टोमेट्रिस्ट की उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक आयोजित किया जाता है। हमारे इस नए शोरूम में विसियो कार्यालय है, जो दृष्टि और नेत्र संरेखण के विभिन्न पहलुओं को मापने और विश्लेषण करने के लिए ऑप्टोमेट्री और नेत्र विज्ञान में उन्नत प्रणाली से लेस है। सबसे सटीक और आरामदायक दृष्टि सुधार सुनिश्चित करने के लिए इसका उपयोग अक्सर चश्मे, कॉन्टैक्ट लेंस और अन्य दृष्टि-संबंधी सेवाओं की फिटिंग में सहायता के लिए किया जाता है। श्री जालान ने कहा कि ग्राहकों के लिए नए स्टोर में विभिन्न आकर्षक ऑफर दिए जा रहे है।

मणिपुर पुलिस ने 224 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 224 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 215 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 233 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 140 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

एसएसबी के 24वें बटालियन, रंगिया का चिकित्सा शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी, रंगिया द्वारा दिनांक 16 और 17 फरवरी को सीमा चौकी बिमला नगर एवं पाहरपुर में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बल वाहिनी के कमांडेट दीपक सिंह के मार्गदर्शन में इस शिविर का आयोजन किया गया। बताया गया है कि वाहिनी के कार्यक्षेत्र भूटान के सीमा क्षेत्र में रहने वाले गांव के लोगों जोकि अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए शहर के चिकित्सालय में जाने में असमर्थ होते हैं, उन्हें वाहिनी की ओर से समय-समय पर चिकित्सीय परामर्श व मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराई जाती है। और इस सन्दर्भ में दो दिवसीय चिकित्सा शिविर में वाहिनी की चिकित्सक डॉ. वंदना देवी खरिबम, सहायक कमांडेंट (चिकित्सा अधिकारी) एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा सीमावर्ती गांव गुआबारी, उत्तर गुआबारी, हस्तिनापुर तथा औरनगाजुली में रहने वाले लोगों के स्वास्थ की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। साथ ही वाहिनी द्वारा उन्हें आवश्यक दवाइयां भी निशुल्क वितरित की गई। शिविर के दौरान ग्रामीणों को उच्च रक्तचाप, मधुमेय और जल-जनित बिमारियों के लक्षण एवं इनके रोकथाम हेतु डॉक्टर खरिबम द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला के चापर पुलिस स्टेशन के प्रभारी पुलिस अधिकारी द्विपज्योति इंगती के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने चापर के सिनेमा हॉल इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर एक दुकान के पास बीती रात को छापा मारा। इस दौरान मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की छापामारी में बालाजानी गांव के जेल हक नामक व्यक्ति से प्रतिबंधित नशीली गोलियों और कफ सिरप के साथ उसे गिरफ्तार किया गया। जेल हक ने बताया कि प्रतिबंधित मादक गोलियां और कफ सिरप मुख्तार नामक व्यक्ति के लिए लाई गई थी। गौरतलब है कि इससे पहले भी जेल हक को प्रतिबंधित नशीले पदार्थों और कफ सिरप की आपूर्ति के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भाजा गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वन बंधु परिषद, गुवाहाटी महिला समिति का उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। वन बंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति व नगांव अंचल महिला समिति द्वारा नगांव के सूतियाखाल गांव के आचार्यों व कार्यकर्ताओं को उपहार प्रदान करने के साथ ही एकल विद्यालय दर्शन किए। इस अवसर पर नवगांव रोटरी क्लब के अध्यक्ष के साथ 10 अन्य सदस्य उपस्थित थे। आचार्यों द्वारा गायत्री मंत्र व भजन प्रस्तुत किए गए। गुवाहाटी महिला समिति की अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने बताया की रोटरी क्लब के सदस्यों ने आचार्यों के साथ वार्तालाप किए फिर साथ भोजन का आनंद लिया। नगांव अंचल के सूतियाखाल एकल ग्राम विद्यालय दर्शन किया। रोटरी क्लब के सदस्यगण बच्चों के गतिविधियों में भागीदारी निभाने के साथ ही उनके साथ खूब वार्तालाप किए और बच्चों द्वारा प्रस्तुत भजन व कविता पाठ श्रवण किए, जिससे बच्चे बहुत खुश हुए और रोटरी क्लब के सदस्य गण बहुत प्रभावित हुए। बच्चों को उन्होंने उपहार स्वरूप फल व मिठाई दिए। विदित हो कि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष उमा देवड़ा द्वारा आमंत्रित रोटरी क्लब के कई सदस्य एकल विद्यालय के लिए प्रतिवर्ष धन राशि देते आए हैं और आज विद्यालय दर्शन कर वे बहुत प्रभावित हुए और बच्चों से वार्तालाप कर प्रसन्न हुए। विद्यालय के आचार्य के घर हम गए और उनके पति व बच्चों से भी मिलने का मौका मिला। आचार्य ने खूब आदर सत्कार के साथ उपहार स्वरूप अपने खेत के चावल वनबन्धु महिला परिषद की सदस्योंओ को दिया।

आचार्य श्री विद्या सागर महामुनिराज ब्रह्म में विलीन

गुवाहाटी (विभास)। स्थानीय फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर में आज गुरुवर आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज की आत्मिक शांति हेतु णमोकार महामंत्र के पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के वाइस चेयरमैन महावीर प्रसाद छाबड़ा, संयुक्त मंत्री जयकुमार छाबड़ा, निरंजन गंगवाल, विजय कुमार पांडया, हंसराज रारा, महावीर प्रसाद पाटनी, सुरेंद्र कु. छाबड़ा, मोहनलाल गंगवाल, महिला समिति की सुधा गंगवाल, प्रिती सेठी, सुधा काला के अलावा काफी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि सोमवार को प्रात: 9:30 फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में एक विनयांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। तथा सभी समाज बंधुओ को सुबह 11 तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखने का सविनय निवेदन किया गया है। मालूम हो कि युग दृष्टा ब्रहमांड के देवता संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज शनिवार को रात्रि 2:35 बजे ब्रह्म में लीन हुए।

केआईयूजी में खेलकर अपना भविष्य बना सकते हैं एथलीट: हैप्पी घनघस

गुवाहाटी (हिंस)। जैसे ही खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 अष्टलक्षी का चौथा संस्करण शनिवार को शुरू हुआ, सभी विश्वविद्यालयों के एथलीट अपने स्किल का प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूर्वोत्तर में उतर गए। गुवाहाटी में कबड्डी मैचों की शुरुआत करते हुए, भिवानी में स्थित चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के राइट रेडर हैप्पी घनघस ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के महत्व, कबड्डी के प्रति अपने जुनून, अपनी प्रेरणाओं और भविष्य की आकांक्षाओं पर अपने विचार साझा किए। हैप्पी घनघस ने खेलो इंडिया पहल के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाते हुए कहा कि खेलो इंडिया पहल ने एथलीटों के लिए बहुत सारे अवसर पैदा किए हैं। दरअसल, मैंने अपनी प्रतिस्पर्धी यात्रा दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया स्कूल गेम्स से शुरू की थी। हैप्पी ने प्रतिभा पहचान करने में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के जबरदस्त

महत्व पर भी प्रकाश डाला। हैप्पी ने कहा कि यह एक शानदार राष्ट्रीय मंच है और इससे बहुत सारे लोगों की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। यहां प्रतिभा को आसानी से पहचाना जा सकता है। एक एथलीट के तौर पर आप यहां अपना भविष्य बना सकते हैं। घनघस अपने पिता के नक्शेकदम पर चलना चाहता है। उनके पिता सीमा सुरक्षा बल के लिए कबड्डी खेल चुके हैं। वह अब आईटीबीपी के लिए एक कोच के रूप में कार्य करते हैं। घनघस ने साझा किया कि कैसे पारिवारिक प्रभाव ने एक खिलाड़ी के रूप उनको आकार दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पिता ने मुझे कबड्डी खेलने के लिए प्रेरित किया। खेल में उनकी पृष्ठभूमि का ही नतीजा है कि यह खेल मेरे लिए एक स्वाभाविक चुनाव बन गया। इस खेल के प्रति घनघस का जुनून सातवीं कक्षा में सामने आया और 2014 में प्रो कबड्डी लीग के उद्भव की शुरुआत से उनके इस जुनून को बढ़ावा मिला। उन्होंने इसके प्रेरक प्रभाव के बारे में कहा कि लीग को देखकर हमें प्रेरणा मिली और हमें लक्ष्य बनाने के लिए कुछ ठोस आधार मिला। भारतीय कबड्डी के दिग्गज अजय ठाकुर को अपनी प्रेरणा बताते हुए घनघस ने अपने अंतिम सपने के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा कि प्रो कबड्डी लीग में खेलना और अजय ठाकुर की तरह भारत के लिए विश्व कप जीतना मेरा सपना है। मैं न सिर्फ मैट पर उनके जैसा बनना चाहता हूं, बल्कि मैं मैदान के बाहर उनके स्वभाव को फॉलो करना चाहता हूं। खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी मुकाबलों के बीच घनघस ने देश भर के एथलीटों के बीच सौहार्द पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मेरे जैसे सैंकड़ों युवकों के लिए यह अब तक एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। भारत भर के एथलीटों से मिलना बहुत अच्छा रहा है, और टूर्नामेंट का संगठन, आतिथ्य और सुविधाओं की गुणवत्ता सराहनीय रही है। असम की गर्मजोशी और आतिथ्य ने यात्रा को और भी यादगार बना दिया है।

संपादकीय

चुनावी बॉन्ड 'असंवैधानिक'

सर्वोच्च अदालत ने चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक और मनमाना करार दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 19 (1ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना के अधिकार का उल्लंघन माना है। ये बॉन्ड चुनावी पारदर्शिता और मतदाता के अधिकार के भी खिलाफ हैं। मतदाता को राजनीतिक, चुनावी चंदे को जानने का अधिकार है। इनसे यह पता नहीं चलता कि चुनावी बॉन्ड क्यों खरीदे गए? एक निश्चित राजनीतिक दल को ही चंदा क्यों दिया गया? इनसे स्वतंत्र चुनावों की निष्पक्षता भी खतरे में पड़ जाती है। नतीजतन पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बॉन्ड पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने का फैसला सुनाया है। अब भारतीय स्टेट बैंक को 12 अप्रैल, 2019 से आज तक बिके, भुनाए गए बॉन्ड्स का संपूर्ण ब्योरा 6 मार्च तक चुनाव आयोग को देना है। आयोग 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करेगा कि कितने बॉन्ड खरीदे गए और मूल्य कितना था? व्यक्ति, समूह और कॉरपोरेट कंपनी के एक-एक नाम का भी खुलासा करना होगा। चुनावी चंदे को लेकर जो गोपनीयता बरती जा रही थी अथवा दानदाता उनकी पहचान को छिपाने का आग्रह करते रहे थे, अब कुछ भी गोपनीय नहीं रहेगा। सभी बेनकाब होंगे। देश में आम चुनाव से करीब 100 दिन पहले संविधान पीठ का यह फैसला बेहद कड़ा और ऐतिहासिक है। दरअसल किसी भी दल को यह मुगालता नहीं पालना चाहिए कि संविधान पीठ ने भ्रष्टाचार के किसी गुप्त रहस्य को बेनकाब किया है। भ्रष्ट दानदाताओं और सरकार के बीच चंदे का कोई खेल जारी रहा है? न्यायिक पीठ ने किसी भ्रष्ट गतिविधि का रहस्योद्घाटन भी नहीं किया है, लेकिन चुनावी चंदे की गोपनीयता पर सवाल किए हैं। 2017 के बजट में चुनावी बॉन्ड की घोषणा की गई थी और 2018 में इस योजना को लागू किया गया। इससे पहले चुनावी चंदे की व्यवस्था यह थी कि 20,000 रुपए तक का चंदा गोपनीय रखा जा सकता था। वह चंदा नकदी भी दे सकते थे अथवा चेक के जरिए भी दिया जाता था। दानदाताओं के नाम और चंदे की राशि सार्वजनिक करने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी। उस दौर में बहुत-सा काला धन 'सफेद' किया गया होगा! अब संविधान पीठ ने सार्वजनिक सूचना और खुलासे को लोकतंत्र की बुनियाद तथा समानता माना है, तो देश यह न्यायिक फैसला मानने को बाध्य है। अब यह खुलासा भी हुआ है कि तृणमूल कांग्रेस को करीब 97 फीसदी चंदा 'अज्ञात स्रोतों' से प्राप्त हुआ है, जबकि कांग्रेस को करीब 72 फीसदी और भाजपा को 60 फीसदी से अधिक चंदा 'अज्ञात स्रोतों' से मिला है। यह बेहद अहम सवाल है कि ये 'अज्ञात स्रोत' कौन हैं? क्या ये सूचना के अधिकार कानून की परिधि में हैं? चुनावी बॉन्ड से पता चला है कि 2018-23 के दौरान भाजपा को 6566 करोड़ रुपए का चंदा मिला है, जबकि कांग्रेस को 1123 करोड़, तृणमूल को 1092 करोड़ और बीजद को 774 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। गौरतलब है कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो उसे सर्वाधिक चंदा मिला करता था। कभी, किसी अदालत ने सवाल नहीं किया और न ही उसे 'मनी लॉन्ड्रिंग' करार दिया। कमोबेश आज यह आंकड़ा संसद में भी रखा जा सका है कि फरवरी, 2024 तक 16,518 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे गए। चंदा कम है या अधिक है, लेकिन क्षेत्रीय दलों को भी मोटा चंदा मिला है और सभी ने उसे स्वीकार भी किया है। दरअसल इस फैसले का बुनियादी मकसद यह है कि चुनावी चंदा सार्वजनिक होना चाहिए। सवाल है कि 1950 से 2024 तक की व्यवस्था के दौरान सर्वोच्च अदालत का ऐसा फैसला क्यों नहीं आया कि चंदा सार्वजनिक होना चाहिए। यह भी यथार्थ सत्य है कि आम आदमी अपनी रोजाना 'थाली' के लिए संघर्ष करता रहा है। उसकी दिलचस्पी इस बात में नहीं कि किसने किसको कितना चंदा दिया।

मतदाता को राजनीतिक, चुनावी चंदे को जानने का अधिकार है। इनसे यह पता नहीं चलता कि चुनावी बॉन्ड क्यों खरीदे गए? एक निश्चित राजनीतिक दल को ही चंदा क्यों दिया गया? इनसे स्वतंत्र चुनावों की निष्पक्षता भी खतरे में पड़ जाती है। नतीजतन पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बॉन्ड पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने का फैसला सुनाया है। अब भारतीय स्टेट बैंक को 12 अप्रैल, 2019 से आज तक बिके, भुनाए गए बॉन्ड्स का संपूर्ण ब्योरा 6 मार्च तक चुनाव आयोग को देना है। आयोग 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करेगा कि कितने बॉन्ड खरीदे गए और मूल्य कितना था? व्यक्ति, समूह और कॉरपोरेट कंपनी के एक-एक नाम का भी खुलासा करना होगा। चुनावी चंदे को लेकर जो गोपनीयता बरती जा रही थी अथवा दानदाता उनकी पहचान को छिपाने का आग्रह करते रहे थे, अब कुछ भी गोपनीय नहीं रहेगा। सभी बेनकाब होंगे। देश में आम चुनाव से करीब 100 दिन पहले संविधान पीठ का यह फैसला बेहद कड़ा और ऐतिहासिक है। दरअसल किसी भी दल को यह मुगालता नहीं पालना चाहिए कि संविधान पीठ ने भ्रष्टाचार के किसी गुप्त रहस्य को बेनकाब किया है। भ्रष्ट दानदाताओं और सरकार के बीच चंदे का कोई खेल जारी रहा है।

राजनीतिक दलों के बाजीगर और चुनावी शतरंज

ललित गर्ग

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं। राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के घोड़े ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है। शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरूआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और

जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही है। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है।

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। "अभी नहीं तो कभी नहीं।" दिल्ली के सिंहासन को छूने व लालकिले पर ध्वज की डोरी पकड़ने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल अगले चुनाव की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा राष्ट्र भुगतता रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होगे।

शतरंज के खेल की तरह शह और मात राजनीति में भी होती है, शतरंज के खेल में घोड़ा बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा ने ऐसे ही घोड़ों को अपने पक्ष में किया हैं, ये घोड़े चारों दिशाओं में से किसी एक में आवश्यकतानुसार ढ़ाई घर चल सकता है। यह आक्रमण में निर्णायक भूमिका निभाता है और सुरक्षा भी प्रदान करता है। इसकी चाल को समझना आवश्यक है। वैसे मंत्री या वजीर सबसे शक्तिशाली मोहरा होता है, क्योंकि यह आगे-पीछे, आरे-तिरछे, अगल-बगल अपनी मर्जी एवं सुविधा से, कई घरों तक आ-जा सकता है। वैसे खेल तो प्यादों से शुरू होता है। आगे वे ही बढ़ते हैं। आक्रमण एवं सुरक्षा, दोनों की रणनीति, उनकी चाल को ध्यान में रख कर बनाई जाती है। सबसे बड़ी बात है कि आगे बढ़ते हुए वे आवश्यकतानुसार मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी कुछ भी बन सकते हैं। उनके महत्व को कम करके नहीं देखा जा सकता। भाजपा के पास विपक्षी दलों की तुलना में ऐसे मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी सब है। जबकि विपक्षी दल अपनी कुचालों से इन सबको खोते जा रहे हैं। यह सही है कि सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने की शुरुआत भी एनसीपी में पड़ी फूट के बाद से ही हो गई थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलटना इस अर्थ में निर्णायक कहा जा सकता है कि वही गठबंधन के सूत्रधार की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें अपनी ओर खींचकर भाजपा और एनडीए ने विपक्षी दलों के विशाल गठबंधन से बनते नैरेटिव को जबर्दस्त झटका दिया।

भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं।

दृष्टि कोण

तरक्की के लिए कट्टरता छोड़ रहे देश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस्लामिक देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में भव्य हिंदू मंदिर का उद्घाटन करना बताता है कि खाड़ी देश अब कट्टर इस्लामिक कानूनों से निजात पाकर तरक्की के रास्ते पर चल रहे हैं। दरअसल खाड़ी देशों के पास राजस्व का एकमात्र स्त्रोत प्राकृतिक तेलों के भंडार हैं। आने वाले दशकों में ये भंडार समाप्त हो जाएंगे। इससे पहले इस्लामिक देश मजबूत आर्थिक आधार खड़ा करना चाहते हैं। इस्लामी कानून इसमें आड़े आ रहे थे। ऐसे में इन देशों ने शरीया कानूनों में ढील देना शुरू कर दिया है। पर्यटन और औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए खाड़ी देश अपनी नीतियों में लगातार बदलाव कर रहे हैं। यूएई में मंदिर बनना इस बदलाव का ऐतिहासिक उदाहरण है। खाड़ी देशों के लिए दूसरे देशों में मुसलमानों के साथ क्या हो रहा है, इससे अब ज्यादा सरोकार नहीं है। इन देशों की प्राथमिकता अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है। यही वजह रही कि चाहे चीन के यूआन प्रांत में मस्जिदें ढहाने के मामले हों या इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध में फिलिस्तिनियों के मारे जाने का मुद्दा हो, खाड़ी के मुस्लिम देशों ने सीधे हस्तक्षेप नहीं किया। यहां तक कि चीन के खिलाफ कभी एक लाइन का बयान तक जारी नहीं किया गया। चीन के वीगर मुसलमानों के दमन की खबरें बाहर आती रही हैं और उनको जबरन निगरानी कैंपों में भी भेजा जाता रहा है। चीन इन कैंपों को रिएजुकेशन कैंप बताता है। इन सभी मामलों में दुनिया के मानवाधिकार संगठनों से लेकर अमेरिका, ब्रिटेन और कई यूरोपीय देश खुलकर चीन की निंदा कर चुके हैं और करते रहे हैं, लेकिन कभी भी मुस्लिम देशों की ओर से इस पर कोई बयान नहीं आया। मुस्लिम देशों के संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ इस्लामिक कॉपरेशन (ओआईसी) ने भी इस पर कभी कोई टिप्पणी नहीं की। यहां तक कि बीते साल मार्च में पाकिस्तान में हुई ओआईसी की बैठक में चीन के तत्कालीन विदेश मंत्री वांग यी विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे थे। ओआईसी की बैठक के दौरान वांग यी ने वादा किया था कि बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) के तहत चीन मुस्लिम देशों में 400 अरब डॉलर निवेश करेगा। लोकतांत्रिक देश चीन में मानवाधिकार उल्लंघनों का मुद्दा उठाते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ओआईसी के सदस्य देश पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब, कतर, ओमान, बहरीन, मिस्र और कुवैत चीन की तारीफ करते रहे हैं। दुनिया की कुल आबादी में से इस्लाम मानने वालों की आबादी 2 अरब है। इसमें से 85 फीसदी शिया और 15 फीसदी सुन्नी मुसलमान हैं। इस्लाम कोई 1400 साल पुराना धर्म है। इसमें मूर्ति पूजा की मनाही है। इस्लाम की पवित्र पुस्तक कुरान है। इसी के आधार पर कानून भी बनाए गए हैं, लेकिन समय के साथ इस्लाम को मानने वाले बदल भी रहे हैं। सऊदी अरब इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सऊदी की अर्थव्यवस्था तेल पर निर्भर है। सऊदी 2030 तक अपनी इस अर्थव्यवस्था को बदलना चाहता है और पर्यटन पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। दुनिया में जिस तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उसे देखते हुए आने वाले दिनों में तरल ईंधन पर निर्भरता कम होगी, ऐसे में आय के दूसरे स्रोत खड़े करने के लिए उदारता बरतना आवश्यक हो गया है। इसीलिए इस्लामिक देशों में कट्टरता से मुक्ति के नए रास्ते खोजे जा रहे हैं। पर्यटन और दूसरे क्षेत्रों में निवेश को आमंत्रित करने के लिए बदलाव की शुरुआत अऊदी अरब से हुई है। प्रमुख इस्लामिक देश सऊदी अरब ने अपने देश में कट्टरता से मुक्ति की ओर बढ़ते हुए अपने देश में विदेशियों के लिए शराब की दुकान खोलने की इजाजत दी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस बिन सलमान ने देश की राजधानी रियाद में यह मंजूरी दी। यहां पिछले दिनों महिलाओं को कार चलाने, पुरुषों के साथ कार्यक्रमों में शामिल होने, सिनेमाघरों में जाने और संगीत के कार्यक्रमों में शामिल होने की छूट भी दी गई है। इस्लाम में पहले महिलाओं को यह आजादी नहीं थी। प्राकृतिक तेल स्त्रोतों के विकल्प के तौर पर सऊदी अरब अब पेरिस और लंदन की तरह पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राजधानी रियाद में दुनिया के सबसे बड़े आधुनिक शहर को विकसित कर रहा है। इस प्रोजेक्ट के पूरे होने की उम्मीद 2030 तक जताई जा रही है। वहीं, इस प्रोजेक्ट की कुल लागत गैर-तेल जीडीपी के लिए 180 बिलियन सऊदी रियाल अर्थात 48.6 बिलियन डॉलर आने की उम्मीद है। इस परियोजना के अंतर्गत 19 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर किया जाएगा और इसमें एक संग्रहालय, एक प्रौद्योगिकी, डिजाइन विश्वविद्यालय, एक बहुउद्देश्यीय थिएटर और 80 से अधिक मनोरंजन और संस्कृति स्थल होंगे।

कुछ अलग

नाक बचाकर रखी है हमने...

अपनी निजी और सार्वजनिक जिंदगी में मैंने भले ही कुछ और बचा कर रखा हो या न रखा हो, लेकिन नाक बचा कर रखी है। क्या मजाल कि नाक पर कभी मक्खी भी बैठ गई हो। नाक को लेकर मैं हमेशा पर्टिकुलर रहता हूं। इज्जत जाती है तो जाए भाड़ में। नौकरी जाती है तो जाए खड्डे में। ईमानदारी और नैतिकता का जनाजा उठता है तो उठता रहे। महंगाई और भ्रष्टाचार कपड़ों से बाहर हो या कपड़ों के अंदर, मैं परवाह नहीं मारता। गरीब लोग हुक्मरानों को पानी पी-पीकर चाहे लाख कोसते फिरें, मेरे कानों में जूं तक नहीं रेंगती। मैं ऐसे दो कौड़ी के मुद्दों को भाव ही नहीं देता। मेरी अपने फंडे हैं। अपने हथकंडे हैं। मैं सब कुछ सुन सकता हूं, लेकिन अपनी नाक के खिलाफ कुछ नहीं सुन सकता। नाक चाहे मेरी तोते की तरह है। चाहे पकौड़े की तरह है। चाहे छोटी है या मोटी है। चाहे नाक पर दो चार बार टांके भी लग चुके हैं, लेकिन मैं इसे गंभीरता से नहीं लेता। मैं सिर्फ और सिर्फ एक ही बात का ख्याल रखता हूं कि नाक बची रहनी चाहिए। बिना नाक के जीना भी क्या जीना होगा? नाक है तो जहान है। नाक लेकर जहां मर्जी घूमिए। जो मर्जी कीजिए। क्या मजाल है कि कोई आपके खिलाफ एक्शन ले पाए। एक्शन लेने वाला सबसे पहले आपकी नाक पर नजर मारेगा। उसे नाक सलामत दिखेगी तो वह लाख गुनाह भी नजरअंदाज कर देगा। मैं जहां भी जाता हूं, हमेशा नाक को लेकर सतर्क रहता हूं। कोई मेरे ईमान पर उंगली उठा दे तो मुझे बर्दाश्त हो जाता है। लेकिन कोई मेरी नाक पर उंगली उठाए, यह मुझे कतई बर्दाश्त नहीं होता। क्योंकि नाक मेरे लिए नाक का सवाल होती है। कई बार मुझे इतनी महंगाई में घर चलाने के लिए दो नंबर के काम भी करने पड़ते हैं, लेकिन मैं ऐसे काम करते समय हमेशा नाक ढक कर रखता हूं। नाक को हवा नहीं लगने देता। किसी की बुरी नजर नहीं लगने देता। जिस दिन नाक को किसी की बुरी नजर लग गई, खुदा कसम उस दिन नाक कटवा डालूंगा, लेकिन नाक की पवित्रता पर आंच नहीं आने दूंगा। यह मैंने बचपन से तय कर रखा है और अपनी वाइफ को भी बता रखा है। वाइफ भी सुबह उठकर मेरी नाक देखती है और जब मैं दफ्तर से वापस आता हूं तब भी उसकी पहली निगाह मेरी नाक पर जाती है। मेरी नाक सलामत देखकर उसे सबसे ज्यादा सुकून मिलता है। दुनिया में बहुत से लोगों का सिर्फ नाम होता है, लेकिन उनकी नाक नहीं होती। परंतु मेरे पास अच्छी खासी नाक है और नाक की वजह से मैं हमेशा सर उठाकर चलता हूं। जाली डिग्रियां लेते समय भी मैंने नाक पर सवाल नहीं उठने दिए। ऐसा नहीं है कि अपन के दुश्मन नहीं हैं। पांच बार मेरे घर में रेड हो चुकी है। चार बार पुलिस ने गाड़ी रोक कर पुर्जे पुर्जे की तलाशी ली है, लेकिन चुटकी भर नशीला पदार्थ भी उनके हाथ नहीं लगा। पुलिस बस हाथ मलती रह गई और हम नाक फुलाते हुए जेब में हाथ डाले मुस्कुराते रहे। एक पुलिस अधिकारी ने एक दिन बाजार में मेरे कान में पूछा भी कि नशे की खेप कहां छुपा देते हो भाई? मैंने उसके कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, 'क्यों बार-बार मेरी चेकिंग करके नाक कटवाते हो भाई?' पुलिस वाला मेरी नाक देखता रहा और मैं उसकी शक्ल देखता रहा! लोग कहते हैं कि 'जान बची सो लाखों पाए।' लेकिन मैं कहता हूं कि सरकार को यह मुहावरा बदलने का अध्यादेश सदन में ले आना चाहिए और यह स्लोगन राष्ट्र को समर्पित कर देना चाहिए कि 'नाक बची सो लाखों पाए।' अब जान बचाना उतना मायने नहीं रखता, जितना मायने नाक बचाना रखता है। हुकूमत भी अपनी बची खुची नाक बचाने को ही सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। नाक की इससे बढक़र महिमा क्या हो सकती है।

देश दुनीया से

आसान नहीं होगी शहबाज की राह, सेना की 'पटकथा' पर चलकर कैसे आएगा लोकतंत्र

अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन के प्रसिद्ध उद्धरण के संशोधित संस्करण के मुताबिक, इतिहास खुद को दोहराता है, लेकिन तुकबंदी के इस जमाने में पाकिस्तानी चुनावों के नतीजों के लिए यह रूढ़िवादी तरीके से सच होता है, जो शहबाज शरीफ को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनाने के लिए साफ किए गए रास्ते से स्पष्ट है। सेना ने 'चयन' की प्रक्रिया के माध्यम से चाक-चौबंद रणनीति को अंजाम दिया है। पाकिस्तान में आम चुनाव, 2024 के नतीजे नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल (एन) की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सर्वशक्तिशाली सेना द्वारा लिखी गई पटकथा है, जो 2018 के चुनाव में इमरान खान को प्रधानमंत्री के पद पर बैठाने के लिए की गई कवायद जैसी ही है। सेना की सर्वोच्चता और लोगों की मानसिकता के कारण उस मुल्क में कोई भी शहबाज के चयन पर सवाल नहीं उठाएगा, जहां परोक्ष रूप से दशकों तक और सीधे तौर पर 33 वर्षों तक सेना द्वारा शासन का इतिहास रहा है। यह भी एक भ्रम ही था कि शेष अवधि में मुल्क में लोकतंत्र बहाल हो गया था, क्योंकि घरेलू और विदेशी मामलों में पूरी तरह से सेना का वर्चस्व था। चयनित प्रधानमंत्रियों ने हमेशा सेना के इशारे पर कठपुतलियों की तरह काम किया। अब स्थिति स्पष्ट हो गई है और पाकिस्तान के चुनावी नतीजे संकटग्रस्त मुल्क के लोगों के अलावा पूरी दुनिया की अपेक्षाओं और अनुमानों के अनुरूप हैं। तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ ने अनिश्चित और अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के बीच आश्चर्यजनक ढंग से अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री, जो उन्हें छद्म रूप से शासन चलाने में सक्षम बनाएगा और अपनी बेटी मरियम नवाज को पंजाब की मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवाज शरीफ ने एक तीर से दो शिकार करने की कोशिश की है, जिससे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सरकार में शामिल होने की संभावना बनी रहेगी, क्योंकि पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने पीएमएल (एन) सरकार को बाहर से समर्थन देने की घोषणा की है। बिलावल अपने पिता आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति बनवाने के लिए सौदेबाजी कर सकते हैं, जिससे समीकरण बदल सकते हैं। दूसरा, इससे उनकी बेटी और पीएमएल (एन) की सूचना सचिव मरियम नवाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रांत पंजाब का मुख्यमंत्री बनने की राह प्रशस्त होगी। गठबंधन सरकार में पीएमएल (एन), पीपीपी, एमक्यूएम, पीएमएल-क्यू, बीएपी इत्यादि दल शामिल होंगे, जिससे 265 सदस्यों वाले सदन में गठबंधन का संख्याबल 152 हो जाएगा, जो 133 के बहुमत के आंकड़े से ज्यादा है। मनोनीत सदस्यों को जोड़ने के बाद गठबंधन का संख्याबल 169 हो जाएगा। लेकिन शहबाज शरीफ के लिए सरकार चलाना एक बड़ी चुनौती होगी। सबसे पहले उन्हें मुल्क के बदहाल आर्थिक संकट से निपटना होगा, जो भविष्य में कभी भी ध्वस्त हो सकता है और उसका हश्र श्रीलंका जैसा होने की आशंका है। कई वर्षों से राजनीतिक उथल-पुथल से गुजरते पाकिस्तान के लोगों को स्थिर सरकार की उम्मीद है, जो सेना के समर्थन के चलते कुछ हद को वास्तविकता बन सकती है, जिन्होंने मुल्क का नेतृत्व करने के लिए नवाज शरीफ के माध्यम से शहबाज को चुना है। तीसरा, अफगानिस्तान से होने वाली आतंकी कार्रवाइयों पर नियंत्रण पाना शहबाज सरकार के लिए मुश्किल होगा, जो प्रतिबंधित तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को समर्थन देता है। अब लोग नई सरकार से उम्मीद करेंगे कि वह बढ़ते आतंकी हमलों पर लगाम लगाएगी, जिसके चलते 2023 में कथित तौर पर 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। चूंकि पर्दे के पीछे से नवाज शरीफ ही सरकार चलाएंगे, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि वह भारत सहित अन्य पड़ोसियों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए ठोस प्रयास कर सकते हैं, जिसका उल्लेख उन्होंने अपने विजय भाषण में किया था। प्रधानमंत्री मोदी के नवाज शरीफ के साथ अच्छे संबंध रहे हैं, जिन्होंने वर्ष 2015 में अचानक लाहौर का दौरा करके उन्हें जन्मदिन की बधाई दी थी। उससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी पाकिस्तान का दौरा किया था, जिन्हें इस्लामाबाद के साथ संबंधों में नरमी लाने का श्रेय दिया जाता है। कूटनीतिक सिद्धांतों के अनुसार, भले ही दोनों देशों के बीच शत्रुता की भावना प्रबल हो, पर बातचीत जारी रहनी चाहिए। अगर पाकिस्तान ईमानदारी दिखाए और कश्मीर की जिद छोड़ दे, तो भारत फिर से बातचीत शुरू कर सकता है।

सेना ने 'चयन' की प्रक्रिया के माध्यम से चाक-चौबंद रणनीति को अंजाम दिया है। पाकिस्तान में आम चुनाव, 2024 के नतीजे नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल (एन) की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सर्वशक्तिशाली सेना द्वारा लिखी गई पटकथा है, जो 2018 के चुनाव में इमरान खान को प्रधानमंत्री के पद पर बैठाने के लिए की गई कवायद जैसी ही है। सेना की सर्वोच्चता और लोगों की मानसिकता के कारण उस मुल्क में कोई भी शहबाज के चयन पर सवाल नहीं उठाएगा, जहां परोक्ष रूप से दशकों तक और सीधे तौर पर 33 वर्षों तक सेना द्वारा शासन का इतिहास रहा है। यह भी एक भ्रम ही था कि शेष अवधि में मुल्क में लोकतंत्र बहाल हो गया था, क्योंकि घरेलू और विदेशी मामलों में पूरी तरह से सेना का वर्चस्व था। चयनित प्रधानमंत्रियों ने हमेशा सेना के इशारे पर कठपुतलियों की तरह काम किया।

आप का नजरीया

बजट में धूप या सेंक

अब घर और राज्य के बजट में जनता के नजरिए में अंतर है। हम बजट की धूप को सेंकना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं चाहते कि कहीं हमारी जेब को सेंक लगे। इसलिए हिमाचल की आर्थिक स्थिति के विपरीत राज्य का बजट अपने ही मुगालते में टैक्सों से दूर, इच्छाओं से भरपूर और उधार की बेडियों से चकनाचूर होते भी मुस्कराता रहेगा। यह मोहिनी सूरत में सूरत-ए-हाल की समीक्षा नहीं, बल्कि प्रदेश की गाड़ी पर सबको बैठाने की कोशिश होगी। कुछ परतें केंद्रीय बजट की अंतरिम पेशकश से मुकम्मल की जाएंगी, तो कई खाकों में सुंदर सी घोषणाएं सजाने की मुहिम होगी। पिछले बजट की आरजू में चुनावी गारंटियों का शोर था, इसलिए इस बार विपक्ष की आलोचना में सीना फुलाने का संदर्भ होगा। जाहिर है सरकार पर्यटन की पोटली से कुछ नूर निकालने के लिए अपनी ही घोषणाओं की पात्र बन जाएगी या डेयरी की मलाई को और काढक़र सरकार खोया बनाने की भट्ठी पर बजट को पहुंचाएगी। सरकार का मूल मंत्र ग्रीन राज्य की चौपाइयां सुनाता रहा है, तो निश्चित रूप से आगामी बजट में ग्रीन कोरिडोर दौड़ेंगे और चार्जिंग स्टेशन चीख-चीख कर बताएंगे कि इलेक्ट्रिक वाहनों को मिल रही सबसिडी किस गति से करंट पैदा कर रही है। हालांकि सरकार का प्रथम वर्ष अपने ही प्रथम बजट के अनुशासन में अभी मुलाकात नहीं कर सका, क्योंकि चुनावी गारंटियों की मोहलत आने वाले सालों में बिखर गई। देखना यह होगा कि इस बार का बजट और कितनी चुनावी गारंटियां ढो कर विपक्ष का मुंह बंद कर पाता है। हकीकत में मुफ्त बिजली और पात्र महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए की गारंटी राज्य की रीढ़ को झुका देगी, बजट को भिखारी बना देगी, लेकिन राजनीति को इससे क्या लेना देना। दूसरी ओर हिमाचल की जनता को अब सियासत ने आखिर कितना निकम्मा बनाना है। पहले ही राशन की सबसिडी ने प्रदेश के दो सौ करोड़ से अधिक निकाल लिए। इसी तर्ज पर मुफ्त बिजली भी बजट को कमजोर बना रही है। हमने समाज को सिर्फ सरकार से मांगने, हथियाने और गरियाने का पात्र बना दिया। प्रदेश की हर सरकार को अपने कार्यकाल के बजटों के माध्यम से ऐसा समाज सुदृढ़ करना है, जो नए करों को स्वीकार न करे। बिजली, पानी, परिवहन की दरों से जुड़े सवालों पर बजट के घाटे अब कोई अनहोनी नहीं। कोशिश यह है कि किसी तरह उधार की सांसें मखमली कंबल के नीचे चलती रहें। बजट में प्रतिज्ञा या संकल्प नहीं वादों की डोर पर जनता को सौगातों का करिश्मा हमेशा दिखाना होता है। यह दीगर है कि इस बार सरकार को पिछले साल के मंच से उतर कर आत्म निर्भरता के संकल्प पर बजट को दिशा दिखानी होगी। हालांकि देश के राजनीतिक परिदृश्य और कांग्रेस की राष्ट्रव्यापी स्थिति से हिमाचल की सत्ता का एक संघर्ष अपने ही संसाधनों से है। जिस तरह केंद्रीय भाजपा की सत्ता राज्य के आर्थिक व वित्तीय संसाधनों पर कुंडली मार कर बैठी है, उससे बजट को पूरी तरह परिभाषित करने के लिए सुक्खू सरकार की हिम्मत की प्रशंसा करनी होगी। अपनी वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद सरकार ने ओपीएस के समर्थन में अपनी गुल्लक तोड़ी है, तो कर्मचारियों के मसलों में उदारता का ढक्कन खुला रखा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश के बजट के सामने ऋण के पहाड़ को और ऊपर उठाने की कसरतें भी नत्थी हैं।

जीबीसी : यूपी में 10 लाख करोड़ की 14 हजार परियोजनाओं का पीएम आज करेंगे शुभारंभ

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही योगी आदित्यनाथ सरकार के लिए सोमवार का दिन बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। सोमवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के जरिए प्रदेश भर में 10 लाख करोड़ से ज्यादा की 14 हजार से अधिक परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही प्रदेश में करीब 34 लाख रोजगार के अवसरों की संभावनाओं के द्वारा भी खुल जाएंगे। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री योगी के साथ यहां आयोजित होने वाली प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। साथ ही मुख्य जीबीसी हैंगर में प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए इन परियोजनाओं की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देंगे। पिछले वर्ष 10 से 12 फरवरी के मध्य ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। उसके करीब एक वर्ष बाद 19-21 फरवरी के बीच ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी समेत तमाम वीआईपी शामिल होंगे। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद योगी सरकार के लिए यह एक और बड़ा अवसर है, जब पूरी दुनिया की नजरें उत्तर प्रदेश की ओर लगी होंगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में इन परियोजनाओं की शुरुआत से राज्य सरकार अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएगी। आयोजन के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे तो साथ ही निवेशकों को सफलता के मंत्र भी बताएंगे। इस अवसर पर योगी उत्तर प्रदेश में उद्योगों के अनुरूप माहौल के साथ ही भविष्य की योजनाओं को लेकर अपनी बात रखेंगे। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे, जबकि हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन धीरज हिंदुजा, सैमसंग, साउथ वेस्ट एशिया के सीईओ जेपी पार्क, आईएनजीकेए के सीईओ सुसैन पल्वरर, टोरेंट ग्रुप के एमडी जीनल मेहता और एडवर्ब टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन जलज मेहता भी प्रदेश में औद्योगिक विकास की उपलब्धियों के विषय में अपने विचार रखेंगे। रक्षामंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह भी यहां अपने विचार रखेंगे, जिसके बाद प्रधानमंत्री परियोजनाओं को डिजिटल ग्राउंड ब्रेकिंग के माध्यम से शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई जाएगी।

हरियाणा विधानसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा में विपक्षी दल कांग्रेस दूसरी बार सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। कांग्रेस ने अविश्वास प्रस्ताव को लेकर रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को चंडीगढ़ में विधायक दल की बैठक बुलाई है। इस बैठक में विधानसभा में उठने वाले सभी मुद्दों पर चर्चा होगी। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में शामिल होने के लिए सभी विधायकों को निमंत्रण भेजा गया है। इस सत्र की खास बात यह होगी कि कांग्रेस दूसरी बार सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ रही है। सदन में विधायकों की संख्या बल के हिसाब से सरकार पर किसी तरह का खतरा नजर नहीं आ रहा है। हरियाणा विधानसभा में पंजाब के किसान संगठनों के दिल्ली कूच से पैदा हुए हालात को लेकर भी चर्चा संभव है। लोकसभा चुनाव की वजह से विधानसभा का बजट सत्र इस बार काफी छोटा होगा, लेकिन हंगामेदार खूब रहने वाला है। एक दिन में दो-दो सीटिंग तक करने की विधानसभा सचिवालय की योजना है, जिस कारण राज्यपाल के अभिभाषण से लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा पेश किए जाने वाले बजट पर पूरे-पूरे दिन देर शाम तक चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस की ओर से विधानसभा स्पीकर को सौंपे गए अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस के 24 विधायकों के हस्ताक्षर हैं। सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 15 विधायकों का खड़े होकर इसका समर्थन करना जरूरी है। पूरे दिन की चर्चा के बाद कांग्रेस को अविश्वास प्रस्ताव के गिरने का सामना करना पड़ेगा।

राहुल गांधी की सभा के बाद उस स्थान को गंगाजल से धोने पर कांग्रेस नाराज

वाराणसी (हिंस)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में वाराणसी आए राहुल गांधी की गोदौलिया चौराहे पर सभा के बाद उस स्थान को गंगाजल से धोने को लेकर भाजपा कांग्रेस के निशाने पर है। रविवार को मैदागिन स्थित कांग्रेस कार्यालय में महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे और अन्य पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता कर बीएचयू गैंगरेप की घटना को लेकर भाजपा नेताओं पर जमकर तंज कसा। चौबे ने कहा कि कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने गोदौलिया चौराहे से हमारे नेता राहुल गांधी के जाने के बाद सड़क को गंगा जल से धोया। यह भाजपा के नेता तब कहां थे जब बीएचयू में उनकी ही पार्टी के पदाधिकारियों ने छात्रा के साथ घिनौना कृत्य किया। तब भाजपा के इन नेताओं ने बीएचयू परिसर को क्यों नही गंगा जल से धोया। पार्टी के नेताओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर में राहुल गांधी के दर्शन पूजन के बाद मंदिर प्रशासन की ओर से इसकी फोटो न जारी करने पर भी सवाल उठाया। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि बाबा विश्वनाथ राहुल गांधी के भी आराध्य हैं। उन्होंने शनिवार को बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन किया। मंदिर में राहुल गांधी का दर्शन पूजन का फोटो जान बूझ कर जारी नहीं किया गया। महानगर अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि शासन ने ऐन वक्त पर हमारे कैमरे की अनुमति निरस्त कर दी और कहा कि मंदिर का पीआरओ फोटो खींच कर साझा कर देंगे। इसके बाद जो भी फोटो दी गई। वह बाहर परिसर की रही। दर्शन करते हुए एक भी फोटो नहीं दी गई। जबकि भाजपा नेताओं की ऐसी तमाम तस्वीरें हैं। आरोप लगाया कि कुछ नौकरशाह सरकार के गुलाम बन चुके हैं। नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी के न्याय का महासंग्राम इससे और मजबूत होगा। बाबा विश्वनाथ की कृपा से वो लड़ेंगे और जीतेंगे। प्रेस वार्ता में प्रदेश सचिव फसाहत हुसैन बाबू, पार्षद दल नेता गुलशन अंसारी, विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह, महानगर उपाध्यक्ष क्रमशः डॉ. राजेश गुप्ता, वकील अंसारी आदि भी मौजूद रहे।

पंचायत की भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया तो सरपंच-वीडीओ जिम्मेदार

जयपुर (हिंस)। प्रदेशभर की ग्राम पंचायतों में पंचायत की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों को लेकर अब सरकार ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। सरकार ने साफ-साफ कह दिया है कि अगर पंचायतों की भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो सरपंच-वीडीओ पर कार्रवाई। सरकार की तरफ से अब कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सरकार ने दो दिन पूर्व ही आदेश जारी कर सरपंचों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने ये भी साफ कर दिया है कि सरपंच पंचायतीराज कानून से मिली शक्तियों का इस्तेमाल करें। यदि सरपंच ऐसा नहीं कर पाते हैं तो फिर सरकार के स्तर पर सरपंचों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। ग्रामीण विकास एवं पंचायती विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। जिसमें कहा कि पंचायतों के स्वामित्व की आबादी व खातेदारी भूमि पर कुछ लोग अतिक्रमण कर रहे हैं। इन पर ग्राम पंचायत की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। लेकिन यदि अब सरपंच अतिक्रमण हटाने के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आदेश के अनुसार पंचायत की सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण की जानकारी के लिए जनवरी और जुलाई में आबादी, तालाब और चरागाह भूमि पर अतिक्रमण का सर्वे करना होगा। इसके लिए तीन पंचों की समिति बनाई जाएगी। ग्राम पंचायत आबादी क्षेत्र में किए गए ऐसे अतिक्रमण का ब्योरा ग्राम विकास अधिकारी के रजिस्टर में दर्ज कराना होगा। अतिक्रमण की जानकारी पुख्ता हो जाती है तो सरपंच को आबादी क्षेत्र से अतिक्रमियों को बेदखल करने का नोटिस जारी करना होगा। अतिक्रमण की जानकारी पंचायत या सदस्य या सचिव के ध्यान में लानी होगी। यही नहीं सरपंच को तुरंत अतिक्रमण रोकना होगा।

प्रधानमंत्री के जम्मू के दौरे से पहले सुरक्षाबल अलर्ट

जम्मू (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को प्रस्तावित जम्मू के दौरे को देखते हुए पूरी कश्मीर घाटी में सुरक्षाबलों को अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस व अर्द्धसैनिक बल श्रीनगर शहर और कश्मीर घाटी के अन्य जगहों पर वाहनों की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर श्रीनगर में विभिन्न स्थानों पर प्रवेश और निकास बिंदुओं पर विशेष जांच के लिए नाके स्थापित किए गए हैं तथा उन पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि प्रधानमंत्री जम्मू क्षेत्र का दौरा करेंगे लेकिन घाटी में सुरक्षा एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए अलर्ट पर रखा गया है कि केंद्र शासित प्रदेश की हाई प्रोफाइल यात्रा के दौरान आतंकवादी कोई गतिविधियां न करें। अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान मोदी की यह जम्मू-कश्मीर की दूसरी यात्रा होगी। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अपनी जम्मू यात्रा के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे जिनमें एम्स अस्पताल जम्मू, चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल और उधमपुर में देविका नदी परियोजना शामिल है।

अखिलेश पर मुस्लिमों की उपेक्षा का आरोप लगाकर सलीम शेरवानी ने छोड़ी सपा

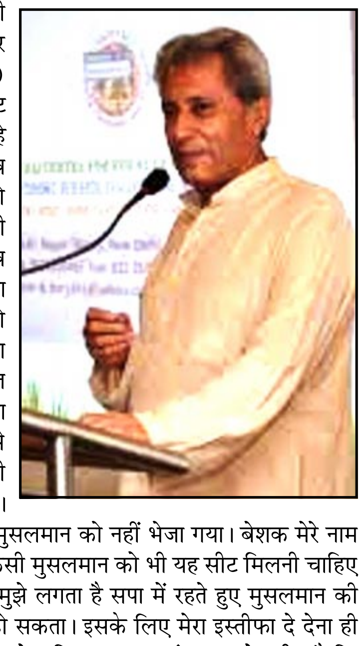

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) अभियान पर एक और गहरी चोट लगी है। पांच बार के सांसद रहे सपा के राष्ट्रीय महासचिव सलीम शेरवानी ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। शेरवानी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर मुसलमानों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। अखिलेश को लिखी चिट्ठी में शेरवानी ने कहा कि पीडीए के नाम पर राजनीति हो रही है। मुसलमानों की उपेक्षा के कारण महासचिव पद से इस्तीफा दे रहा हूं। जल्द ही भविष्य का फैसला लूंगा। राज्यसभा के चुनाव में किसी मुसलमान को नहीं भेजा गया। बेशक मेरे नाम पर विचार नहीं होता लेकिन किसी मुसलमान को भी यह सीट मिलनी चाहिए थी। उन्होंने पत्र में लिखा कि मुझे लगता है सपा में रहते हुए मुसलमान की हालत में बहुत परिवर्तन नहीं हो सकता। इसके लिए मेरा इस्तीफा दे देना ही ठीक है। इसके बाद का निर्णय सोच विचार कर करूंगा। उल्लेखनीय है कि शेरवानी चार बार सपा और एक बार कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले वह सपा छोड़कर कांग्रेस में चले गए थे। इसके बाद उनकी घर वापसी हो गई थी। इससे पहले वरिष्ठ नेता एवं विधानपरिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि मौर्य ने कहा था कि उन्होंने सिर्फ महासचिव पद से इस्तीफा दिया है, पार्टी से नहीं।

मुख्यमंत्री चम्पाई ने मल्लिकार्जुन खड़गे से की मुलाकात, सीट शेयरिंग पर हुई चर्चा

रांची (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके निवास पर झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रविवार को दिल्ली में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच लोकसभा चुनाव को देखते हुए सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडे, झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू मौजूद थे।

पशु पक्षियों का मुर्दा मांस डालकर शरीर रूपी मंदिर को गंदा न करें : संत पंकज जी महाराज

खूंटी (हिंस)। जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था के अध्यक्ष पंकज जी महाराज ने कहा प्रभु ने दया कृपा करके यह दुर्लभ मानव तन आप को दिया है। आप लोग यहां जन्म लेकर खाने पीने और मौज मस्ती के लिए नहीं है। पंकज जी महाराज रविवार को गुटजोरा गांव में आयोजित जय गुरुदेव सत्संग समारोह में प्रवचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रभु से किया गया वादा कि अब प्रभु कृपा करहुं एहिं भांती, सब तजि भजन करउं दिन राती। अपने भजन करने का किया गया वादा भूल गये। खाने-पीने, दुनियां बसाने, बाल-बच्चों में सभी लोग भूल गये। महात्माजन समय-समय पर आकर हम जीवों को जगाते हैं कि चेतो छिन-छिन भक्ति कमाओ। इसके पूर्व संत पंकज जी महाराज के सानिध्य में निकली 82 दिवसीय शाकाहार-सदाचार मद्यनिषेध, आध्यात्मिक जन जागरण यात्रा के गुटजोरा पहंचने पर स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। संत पंकज जी ने कहा कि पूज्य भक्ति स्वर्ग की कामना की नहीं, बल्कि भक्ति करो तो गुरु की करना। पूरा गुरु उसी को कहते हैं जिसने मरने से पहले सुरत शब्द (नाम योग) मार्ग द्वारा अपनी आत्मा को जगाकर परमात्मा का साक्षात्कार कर लिया हो। शाकाहारी रहना बहुत अनिवार्य है। जिस प्रकार हम अपने बनाए मंदिर मस्जिद को शुद्ध साफ रखते हैं, गंदा नहीं करते, उसी प्रकार इस परमात्मा के बनाए मनुष्य रूपी मंदिर या जिस्मानी मस्जिद में पशु पक्षियों का मुर्दा मांस डाल कर इसे गंदा न करें, नहीं तो देवी-देवता, कुदरत नाराज हो जाएंगे और हमारे सामने मुसीबतों का पहाड़ खड़ा कर देगी। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री बाबूराम यादव, आश्रम प्रबंधक संतराम चौधरी, जयगुरुदेव संगत झारखंड के अध्यक्ष रामचन्द्र, बिहार प्रदेशाध्यक्ष मृत्युंजय झा, दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष विजय पाल सिंह, रांची अध्यक्ष अविनाश कुमार, आयोजक जयराम साहू, सोमा मुंडा, सहयोगी संगत जौनपुर के अध्यक्ष ऋषिदेव श्रीवास्तव, दल सिंगार, अशोक पाल, मोहन पाल, महेन्द्र बिंद आदि उपस्थित थे।

कटिहार में एमएसएमई का कार्यालय खुलने से लोगों को मिलेगा रोजगार : महापौर

कटिहार (हिंस)। नगरनिगम क्षेत्र स्थित छीटाबाड़ी में रविवार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया का जिला कार्यालय का उद्घाटन महापौर उषा अग्रवाल, एमएसएमई के बिहार स्टेट चेयरमैन उमाकांत आनंद, वाइस स्टेट चेयरमैन अविनाश सिन्हा एवं निगम पार्षद संजय तांती ने संयुक्तरूप से किया। इस अवसर पर महापौर उषा अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यालय खुलने से कटिहार उद्योग के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना पूरा होगा। स्टेट चेयरमैन उमाकांत आनंद ने कहा कि आज जो हमारे बिहार से गरीब या अन्य जो दूसरे प्रांत रोजी रोटी की तलाश में जाते हैं, इस योजना के तहत उसे यहीं पर रोजगार मिलेगा और वह अपने परिवार के साथ रहकर इस योजना का लाभ उठाएंगे। इस योजना के तहत छोटा से बड़ा उद्योग बिहार में लगेगा। इस अवसर पर पूर्व निगम पार्षद अरुण कुमार आजाद, डिस्ट्रिक चेयरमैन विमल साह, वाइस चेयरमैन पुतुल देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन का शुभारंभ सत्ताईस फरवरी को जयपुर से

जयपुर (हिंस)। संयुक्त भारतीय धर्म संसद एवं अनेक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में सत्ताईस फरवरी को जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर से श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन का आगाज किया जाएगा। इसके तहत द्वारिका से मथुरा तक इकतालीस सौ किलोमीटर की रथ यात्रा संयुक्त भारतीय धर्म संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य राजेश्वर के नेतृत्व में निकाली जाएगी। राजस्थान पूर्वी प्रांत के प्रदेश अध्यक्ष राव प्रहलाद सिंह देवपुरा ने बताया की यह रथ यात्रा गुजारात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली व उत्तर प्रदेश सहित इन सात राज्यों में भ्रमण करते हुए नागेश्वर, सोमनाथ, ओंकारेश्वर, त्र्यंबकेश्वर, महाकालेश्वर इन पांच ज्योतिर्लिंगों की पूजा कर मथुरा पहुंचेगी। इस यात्रा में एक करोड़ से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप में जुड़ेंगे। यात्रा का ढाई सौ से अधिक स्थानों पर स्वागत व ठहराव होगा। इस आंदोलन के तहत आचार्य राजेश्वर व संगठन के केंद्रीय पदाधिकारीगण देश के सौ शहरों में संपर्क सभाएं करेंगे तथा संगठन के संरक्षक भक्त कवि डॉक्टर कैलाश परवाल सरल द्वारा रचित श्री कृष्णम पर आधारित श्री कृष्ण की जीवनी पर विशेष उद्बोधन भी करेंगे। इसके साथ ही संगठन के पचास प्रदेश अध्यक्षों व जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में लगभग सात हजार जनसंपर्क सभाएं होंगी। इस यात्रा का प्रभाव संपूर्ण भारतवर्ष में पड़े इसके लिए भारत के ख्यात नाम संतो के सानिध्य संरक्षण में यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के प्रथम चरण में 31 मार्च को जयपुर के चांदपोल हनुमान मंदिर से सांगानेरी गेट हनुमान मंदिर तक संत महंत पैदल मार्च करेंगे। इसके साथ ही आचार्य राजेश्वर 5 से 7 अप्रैल को जयपुर महानगर के 251 मंदिरों में महंतों व पुजारियों से मिलकर इस आंदोलन को को सफल बनाने के लिए समर्थन व सहयोग के लिए आह्वान करेंगे। इसका शुभारंभ मोती डूंगरी गणेश मंदिर से किया जाएगा। देवपुरा ने बताया कि द्वारिका पहुंचकर द्वारकाधीश को रथ में विराजमान कर निवेदन किया जाएगा कि बहुत समय हो गया है द्वारिका में राज करते हुए अब आपको अपनी जन्मभूमि की सुध लेनी पड़ेगी और स्वयं श्री कृष्ण ही अपनी जन्मभूमि के विवाद का समाधान भी करेंगे। यात्रा मार्ग में देश के ख्यात नाम प्रसिद्ध संत महंत उद्योगपति राजनेता व अन्य क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति भी समय-समय पर सम्मिलित होंगे। यात्रा को सफल बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारी मिलकर गोवर्धन नाथ की परिक्रमा तथा बृज 84 कोस की परिक्रमा भी करेंगे। इसके बाद सभी संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी देश के प्रधानमंत्री को एक प्रतिवेदन सौंपेंगे जिसमें भारत के पुरातन मंदिरों की सुरक्षा व प्राचीन वैभव लौटाने के लिए आवश्यक कानून बनाने के लिए निवेदन किया जाएगा।

रामोत्सव में ही पूरे देश को संगठित करने की ताकत : प्रताप

यमुनानगर (हिंस)। रामोत्सव में ऐसी ताकत है, जो सभी को साथ जोड सकती है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूरे देशभर में देखने को मिला। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक हरियाणा प्रांत के कार्यवाह प्रताप ने जगाधरी में रविवार को विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कही। गौरतलब है कि विश्व संवाद केंद्र हरियाणा की ओर से श्रीराम लला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय रामोत्सव रिपोर्टिंग प्रतियोगिता कराई गई थी। प्रतिभागियों ने फोटोग्राफी, विडियो, रील मेकिंग व न्यूज पेपर रिपोर्ट राइटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था। प्रताप ने कहा कि प्रभू श्रीराम में राष्ट्र को संगठित करने की ताकत है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण 22 जनवरी के दिन पूरी दुनिया ने देखा है। सारा काम ईश्वर की योजना से ही होता है।

पीपला में धर्मांतरण के मामले का आरोपी गिरफ्तार

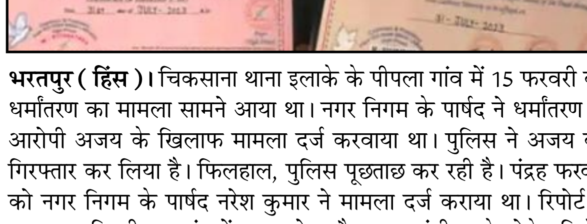

भरतपुर (हिंस)। चिकसाना थाना इलाके के पीपला गांव में 15 फरवरी को धर्मांतरण का मामला सामने आया था। नगर निगम के पार्षद ने धर्मांतरण के आरोपी अजय के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने अजय को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल, पुलिस पूछताछ कर रही है। पंद्रह फरवरी को नगर निगम के पार्षद नरेश कुमार ने मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि पीपला गांव में अजय, रेनू और बबलू चंडीगढ़ के प्रोफेट विजेंद्र सिंह से साल 2020 से जुड़े हैं। तीनों स्थानीय स्तर पर ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करते हैं। स्थानीय आयोजन के लिए प्रॉफेट विजेंद्र सिंह इन्हें चंडीगढ़ से ऑनलाइन पैसा देता है। यह धर्म प्रचारक गरीब लोगों को गुमराह कर हिंदू धर्म से धर्म परिवर्तन कर ईसाई बनाने के लिए पैसों का लालच देते हैं। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अजय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अजय से धर्मांतरण के मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

राजधानी में आयोजित प्रदेशस्तरीय वाल्मीकि महासंगम में की समाज को जागने की अपील

जयपुर (हिंस)। वाल्मीकि समाज को जागना होगा। ऐसा काम करो कि जिससे मेरा भी, तुम्हारा भी और देश का भी सम्मान रहे। राजधानी जयपुर में पधारे देव राष्ट्रीय संत बालयोगी एवं सिद्ध क्षेत्र वाल्मीकि धाम उज्जैन पीठाधीश्वर उमेश नाथ महाराज ने रविवार को वाल्मीकि महासंगम को संबोधित करते हुए ये संकल्प भी दिलाया। उमेश नाथ ने मंच से ही महंगे मोबाइल और महंगे कपड़े पहनने पर सीधा प्रहार किया और संकल्प दिलाया कि वो इन पैसों को बचाकर बच्चों को पढ़ाए। इस दौरान उमेश नाथ महाराज ने सभी को कसम भी दिलाई। उमेश नाथ महाराज बिड़ला सभागार में राज्य स्तरीय विशाल वाल्मीकि महासंगम में संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि मात्रंग नवल स्वामी ने 241 साल पहले क्या रहा होगा, आज तो तुम्हारे घर कोई भोजन भी कर लेगा, कोई तुम्हारी झूठी रोटी भी खा लेगा, क्योंकि अब समय बदल रहा है। उमेश नाथ महाराज ने राज्यसभा जाने पर कहा कि उनका साधुता से मन नहीं भरा था, लेकिन ये प्रभु की इच्छी थी कि यहां भी सनातन धर्म में काम कर रहे हो और वहां जाकर भी सनातन के लिए ही काम करना है। राज्यसभा में तुम सब जा रहे हो। हमारे समाज को ये सम्मान मिला है। ये सब समझे, जो मैं समझ रहा हूं। वाल्मीकि महासंगम में आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने समाज की शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर जोर दिया। निम्बाराम में कहा कि नगरीय क्षेत्र में समाज रहता है। लेकिन आज समाज नगर पालिका की नौकरी से ऊपर क्यों नहीं जा रहे हैं। शिक्षा के विषय पर युवा पीढ़ी में जागृति लाने की जरूरत है। प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं है। अभाव में जन्मे लोगों के पास भी प्रतिभा होती है। घर का वातावरण ऐसा बनाए कि शिक्षा के प्रति रुचि बढे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी इस विषय पर जोर देते हुए कहा कि एडमिनिस्ट्रेटिव, वाइस चांसलर आईएएस और आरएएस के लिए समाज को आगे आना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वाल्मीकि समाज को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाने का काम हुआ। अब वहां पर सभी नौकरियों में समाज को समान अवसर मिलेंगे। लेकिन ऐसा आजादी के 70 साल बाद तक नहीं हुआ, जो लोग भ्रम फैलाते हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। कार्यक्रम संयोजक विकास नरवार ने वाल्मीकि समाज के लिए आज के दिन को दोहरी खुशी बताया। नरवार ने कहा कि आज कुल गुरु का जन्मोत्सव होने के साथ साथ उमेश नाथ महाराज को भाजपा ने राज्यसभा का उम्मीदवार भी बनाया है। देश की सबसे बड़ी पंचायत में समाज को पहुंचाया है। महाराज को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेतृत्व का आभार भी जताया गया। महासंगम में महाभारत के कुंती पुत्र अर्जुन भी मौजूद रहे। इस दौरान महाराज के चरणों में वंदन करते हुए उनकी महिमा पर भी प्रकाश डाला। महासंगम में राजस्थान भर से लोग शामिल हुए। जयपुर सहित कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड, सवाईमाधोपुर, गंगापुर, करौली, हिंडौन, देवली उनियारा, टोंक, मालपुरा, शाहपुरा, फागी से बड़ी संख्या में लोग आए। इस दौरान शिवदासपुरा टोल से रोड शो के रुप में बिड़ला सभागार पहुंचा। साथ ही महाराज का जगह जगह भव्य स्वागत हुआ। बिड़ला सभागार के बाहर सुप्रसिद्ध भूवाई नृत्य और पंजाब के आर्मी बैंड के साथ उमेश नाथ महराजा का अभिनंदन किया गया। मंच पर नरवार परिवार ने महाराज की आरती उतारी। चरण वंदन किया गया। साढ़े चार साल के मुकुंद ने रुद्राष्टक 6 भगवान शंकर की स्तुति

आदित्य बिड़ला पीएसयू फंड ने सालभर में 100 प्रतिशत रिटर्न दिया: क्वांट ने भी पीएसयू फंड लॉन्च किया, थीमैटिक फंड में निवेश ज्यादा रिस्की

नई दिल्ली।
मल्टीनेशनल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज भारत की सरकारी कंपनियों पर काफी बुलिश है। जेफरीज के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी कंपनियों के शेयर सस्ते वैल्युएशन पर मिल रहे हैं। बेहतर प्रदर्शन के बाद भी एनएसई का पीएसयू इंडेक्स निफ्टी 50 के मुकाबले 40 प्रतिशत डिस्काउंट पर है। ब्रोकरेज फर्म की टॉप पीएसयू पिक्स में एसबीआई , कोल इंडिया, एनटीपीसी सहित अन्य स्टॉक्स शामिल हैं। ऐसे में अगर आप सरकारी कंपनियों में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन एक-एक स्टॉक्स खरीदने की झंझट में नहीं फंसना चाहते हैं तो इससे जुड़े म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इस तरह के फंड थीमैटिक म्यूचुअल फंड कहलाते हैं, जो इन्वेस्टर्स के पैसों को खास थीम से जुड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। हाल ही में क्वांट फंड हाउस अपना पीएसयू म्यूचुअल फंड लेकर आया है। वहीं, पहले से भी आदित्य बिड़ला, एसबीआई , इनवेस्को और आईसीआईसीआई के पीएसयू फंड मौजूद हैं।

थीमैटिक म्यूचुअल फंड में निवेश अन्य इक्विटी फंड से ज्यादा रिस्की - आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लीन एनर्जी और पीएसयू सहित अन्य थीमैटिक फंड का निवेश नॉर्मल इक्विटी फंड के मुकाबले ज्यादा रिस्की है। दरअसल, थीमैटिक म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टर्स का पैसा किसी खास सेक्टर के फंड में निवेश होता है। ऐसे में यदि उस सेक्टर में गिरावट होती है तो उसका सीधा असर रिर्टन में दिखाई देता है। जबकि लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स में निवेश होने वाला फंड ज्यादा डायवर्सिफाई होता है, जिससे थीमैटिक म्यूचुअल फंड के मुकाबले इनमें रिस्क कम हो जाता है।

क्या पीएसयू फंड में एसआईपी के जरिए निवेश का सबसे अच्छा तरीका है - शायद इसे निवेश का सबसे अच्छा तरीका कहना तो उचित नहीं होगा लेकिन यह नियमित आय वाले लोगों के लिए निवेश का अच्छा तरीका जरूर हो सकता है जैसे वेतनभोगी और कारोबारी जिनकी हर महीने एक निश्चित आय तय है। एसआईपी से निवेश जेब पर भारी नहीं पड़ता और छोटी- छोटी राशि लगातार निवेश करने से लम्बे समय में एक अच्छी खासी रकम जुटाई जा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भारत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी: आईबीएम

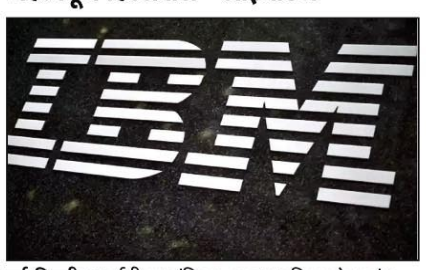

नई दिल्ली। आईबीएम इंडिया, साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में भारत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है और सबसे अच्छी बात यह है कि सरकार न केवल एआई तकनीक को बढ़ाने को लेकर काम कर कर रही है, बल्कि इस क्षेत्र में कौशल बढ़ाने के लिए भी प्रयासरत है। पटेल ने कहा कि एआई के साथ आत्मनिर्भर होने के लिए भारत को जल्द ही खुद को दुनिया में एआई अपनाने और नवाचार के केंद्रों में से एक के रूप में स्थापित करना होगा। उन्होंने कहा, हालांकि प्रगति हो रही है, एआई स्किलिंग और अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने वाले विभिन्न डोमेन नीति निर्माण के बीच बिंदुओं को जोड़कर एआई में तेजी आने की गुंजाइश है। अनुसंधान एवं विकास बहुत आवश्यक होगा, और हमें यह सब जिम्मेदारी से करना होगा। पिछले दिसंबर में नई दिल्ली में की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक साझेदारी की घोषणा में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि सरकार का प्रयास सामाजिक विकास और समावेशी विकास के लिए एआई की क्षमताओं का पूरा लाभ उठाना है। पीएम मोदी ने कहा था, भारत एआई के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया है, हम भारत एआई मिशन भी शुरू करने जा रहे हैं। इस मिशन का लक्ष्य भारत में एआई कंप्यूट पावर की पर्याप्त क्षमता स्थापित करना है। इस मिशन के तहत कृषि स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों को बढ़ावा दिया जाएगा। पटेल ने कहा कि सरकार विभिन्न डोमेन में एआई क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, सरकार इस तकनीक के व्यावहारिक प्रयोग को लेकर भी गंभीर है। कंपनी द्वारा किए गए नए शोध में पाया गया है कि भारत में लगभग 59 प्रतिशत उद्यम-स्तर के संगठन अपने व्यवसायों में सक्रिय रूप से एआई का उपयोग कर रहे हैं। आईबीएम ग्लोबल एआई एडॉप्शन इंडेक्स 2023 में पाया गया कि इसे शुरुआती तौर पर अपनाने वाले आगे बढ़ रहे हैं। 74 प्रतिशत भारतीय उद्यम पहले से ही एआई के साथ काम कर रहे हैं, जिन्होंने 24 महीनों में अनुसंधान एवं विकास और वर्कफोर्स री-स्किलिंग जैसे क्षेत्रों में एआई को अपनाया है। नैसकॉम के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन में 2025 तक भारत की जीडीपी में 500 अरब डॉलर तक जोड़ने की क्षमता है।

कावासाकी जेड650आरएस इंडियन मार्केट में लॉन्च: रेट्रो स्टाइल वाली अपडेटेड बाइक में टू-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, कीमत 6.99 लाख

नई दिल्ली। कावासाकी इंडिया ने जेड650आरएस का अपडेटेड वर्जन भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। रेट्रो स्टाइल वाली बाइक की कीमत 6.99 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) है। ये एक मिडिल वेट मोटरसाइकिल है जो मॉडर्न और क्लासिक एलिमेंट को एक साथ जोड़ती है। जेड650आरएस में 2-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम दिया है। ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम को जोड़ने से मॉडल और सेफ हो गया है। यह सिस्टम खासकर गीली सड़कों पर बाइक को फिसलने से बचाता है। इसके अलावा मोटरसाइकिल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कावासाकी जेड650आरएस : डिजाइन जेड650आरएस को एक ट्यूबलर डायमंड फ्रेम पर डिजाइन किया गया है। इसमें राउंड हेडलैंप, सिंगल-पीस सीट, सेमी-एनालॉग और डिजिटल इन्सट्रूमेंट क्लस्टर है। इंडियन मार्केट में इसे सिर्फ सिंगल कलर मेटैलिक मैट कार्बन ग्रे में पेश किया गया है। कावासाकी जेड650आरएस : हार्डवेयर कंफर्ट राइडिंग के लिए कावासाकी जेड650आरएस के फ्रंट में टेलीस्कोपिक फोर्क्स दिए गए हैं, जो 125एमएम तक ट्रेवल कर सकते हैं। वहीं, रियर में मोनोशॉक एब्जॉर्बर है, जो 130सीसी तक ट्रेवल कर सकता है। ब्रेकिंग के लिए फ्रंट में 272 सीसी का डुअल डिस्क ब्रेक और रियर में 186 एमएम की सिंगल डिस्क दी गई है। बाइक 17 इंच के गोल्डन अलॉय व्हील पर चलती है। कावासाकी जेड650आरएस : परफॉरमेंस परफॉरमेंस के लिए बाइक में 649 सीसी का लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो 8000आरपीएम पर 67बीएचपी की मैक्सिमम पावर और 6700आरपीएम पर 64एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट जनरेट करता है। ट्रांसमिशन के लिए इंजन को 6-स्पीड ऑन ड्यूटी गियरबॉक्स की एक यूनिट के साथ ट्यून किया गया है, जो असिस्ट और स्लिप क्लच के साथ आता है। यह इंजन सेटअप जो निंजा 650 और वर्सेस 650 में भी मिलता है।

इलेक्टोरल बॉन्ड पर अदालत के निर्देशों का करेगा पालन चुनाव आयोग, सीईसी बोले- हम पारदर्शिता के पक्ष में

नई दिल्ली।
मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने ओड़िसा दौरे के दौरान चुनावी बॉन्ड पर आयोग का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग इलेक्टोरल बॉन्ड या चुनावी बॉन्ड के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई करेगा। पत्रकारों से बात करते हुए, कुमार ने कहा कि आयोग हमेशा सूचना प्रवाह और भागीदारी में पारदर्शिता के आधार पर काम करता है।

कुमार ने कहा, शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में आयोग ने कहा है कि वह पारदर्शिता के पक्ष में है और जब आदेश जारी होगा, वह उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कार्रवाई करेगा। ईवीएम के बिना चुनाव कराने पर सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले से जुड़े एक सवाल के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, निर्णय आने दें, यदि आवश्यक होगा तो अदालत के निर्देश के अनुसार बदलाव किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था। अदालत ने टिप्पणी की थी कि यह संविधान के तहत सूचना के अधिकार और भाषण व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की चुनावी बांड योजना की कानूनी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक बैच पर सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। चुनावी बॉन्ड योजना ने एक तरह से राजनीतिक दलों को गुमनाम धन हासिल करने की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे चुनावी बॉन्ड जारी करना बंद करें। अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक को 12 अप्रैल, 2019 से खरीदे गए चुनावी बॉन्ड का विवरण चुनाव आयोग से साझा करने के लिए कहा है। आखिर चुनावी बॉन्ड होता क्या है चुनावी बॉन्ड एक वचन पत्र की तरह होता है जिसमें भुगतानकर्ता और प्राप्तकर्ता का विवरण होता है। चुनावी बॉन्ड में लेनदेन में पार्टियों के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। यही कारण है कि चुनावी बॉन्ड पूरी तरह से गोपनीय होता है। इसकी जानकारी केवल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को ही होती है। चुनावी बॉन्ड को कौन खरीद सकता है चुनावी बॉन्ड को भारत में कोई भी व्यक्तियों या कंपनी खरीद सकती है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की देशभर में फैली 29 शाखाओं को चुनावी बॉन्ड बेचने के लिए अधिकृत किया गया है। चुनावी बॉन्ड को प्रत्येक वर्ष जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में 10 दिनों के लिए बेचा जाता है। खरीदार की पहचान एसबीआई को छोड़कर सभी के लिए गुमनाम रहती है। बॉन्ड विशेष रूप से राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिए जारी किए जाते हैं। ये बॉन्ड एसबीआई द्वारा जारी किए जाते हैं और कम से कम 1,000 रुपये में बेचे जाते हैं जबकि अधिकतम सीमा नहीं है। इस योजना के तहत कॉर्पोरेट और यहां तक कि विदेशी संस्थाओं द्वारा दिए गए दान पर 100 प्रतिशत कर छूट मिलती है।

होम लोन ले रहे हैं तो टैक्स बेनेफिट का लें फायदा, इनकम टैक्स एक्ट के इन सेक्शन के साथ मिलेगी छूट

नई दिल्ली। खुद का घर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो होम लोन लेने की भी तैयारी होगी। क्या आप जानते हैं होम लोन लेने के साथ टैक्स बेनेफिट का भी फायदा मिलता है। इनकम टैक्स एक्ट के अलग-अलग सेक्शन के साथ आप टैक्स कटौती का फायदा ले सकते हैं। इस आर्टिकल में होम लोन पर टैक्ट छूट की ही जानकारी दे रहे हैं- टैक्स बेनेफिट पाने के मानदंड यहां आपको समझने की जरूरत है कि सभी टैक्स बेनेफिट का फायदा पुराने टैक्स सिस्टम के साथ ही मिलते हैं। नए टैक्स सिस्टम में इनका फायदा नहीं मिलता है। आयकर अधिनियम के अनुसार, इन सेक्शन के साथ होम लोन पर टैक्स बेनेफिट पा सकते हैं- सेक्शन 24- सेक्शन 24 के तहत 2 लाख रुपये तक के सालाना होम लोन के ब्याज पर टैक्स कटौती का फायदा मिलता है। हालांकि, यह कटौती स्व-कब्जे वाली संपत्तियों पर ही उपलब्ध है। गैर-स्व-कब्जे वाली संपत्ति के लिए कोई सीमा नहीं है। सेक्शन 80सी: 80सी के तहत घर खरीदार को मूल राशि पर कटौती का लाभ मिलता है। लोन की मूल राशि के रिपेमेंट पर सालाना 1.5 लाख रुपये की कर कटौती का लाभ उठाया जा सकता है। सेक्शन 80 ईईए : इस सेक्श के तहत अतिरिक्त ब्याज पर छूट मिलती है। किफायती होम लोन के ब्याज पर आप सालाना 1.5 लाख रुपये तक की छूट पा सकते हैं। सेक्शन 80 ईईए : इस सेक्शन के साथ पहली बार घर खरीदने वालों को कर कटौती का फायदा मिलता है। सालाना 50,000 रुपये तक की ब्याज कटौती का लाभ उठा सकते हैं।

आर्थिक मंदी के बीच चीन में श्रमिकों का विरोध-प्रदर्शन तेजी से बढ़ा

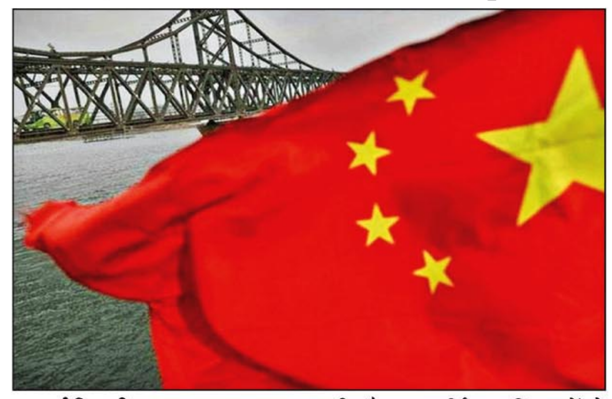

नई दिल्ली।
दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन घोर आर्थिक महामंदी में फंसाता जा रहा है। चीन में आर्थिक हालात तेजी से खराब हो रहे हैं और मंदी की चपेट में देश आता जा रहा है। इसका असर चीन की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई दे रहा है। चीन में श्रमिक विरोध-प्रदर्शन तेजी से बढ़ गए हैं, खासकर पिछले सप्ताह के अंत में शुरू हुए चंद्र नव वर्ष से पहले। न्यूयॉर्क स्थित अंतर्राष्ट्रीय अधिकार समूह फ्रीडम हाउस के चीन में विरोध-प्रदर्शनों पर नज़र रखने वाले चाइना डिसेंट मॉनिटर द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2022 की समान अवधि की तुलना में 2023 की चौथी तिमाही में श्रमिकों का विरोध-प्रदर्शन तीन गुना से अधिक हो गया।

खराब कामकाजी परिस्थितियों के कारण हालात खराब

रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषकों का मानना है कि यह अशांति खराब कामकाजी परिस्थितियों और चीन की मौजूदा आर्थिक कठिनाइयों से जुड़ी है। चाइना डिसेंट मॉनिटर ने सितंबर और दिसंबर 2023 के बीच चीन में 777 श्रमिक विरोध दर्ज किए, जबकि 2022 की समान अवधि में यह संख्या 245 थी। हांगकांग स्थित चाइना लेबर बुलेटिन, जो चीनी श्रमिकों के अधिकारों को बढ़ावा देता है, के स्वतंत्र डेटा में 1 जनवरी से 3 फरवरी 2024 के बीच 183 अतिरिक्त विरोध दर्ज किए गए, जिनमें अकेले गुआंग्डोंग प्रांत में 40 शामिल हैं।

वेतन विवाद के कारण बढ़ा श्रमिकों का विरोध

चाइना डिसेंट मॉनिटर का नेतृत्व करने वाले केविन स्लेटन ने कहा कि श्रमिकों का विरोध अक्सर वेतन विवाद और व्यावसायिक सुरक्षा से जुड़ा होता है। न्यूयॉर्क स्थित चाइना लेबर वॉच के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक ली कियांग, जो चीनी श्रमिक आंदोलन की वकालत करते हैं, ने कहा कि चीन की आर्थिक मंदी के अलावा, रियल-एस्टेट क्षेत्र में विस्फोट और कम विनिर्माण भी एक कारक था।

वित्त मंत्रालय ने कर्ज वसूली में तेजी लाने के लिए उच्च स्तरीय बैठक की

नई दिल्ली।
वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव विवेक जोशी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक में ऋण वसूली में तेजी लाने और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों की दक्षता बढ़ाने के कदमों पर चर्चा हुई बैठक में ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरणों (डीआरएटी) के अध्यक्षों और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों (डीआरटी) के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी; मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए); और वित्त मंत्रालय तथा भारतीय दिवाला एवं दिवालियापन बोर्ड (आईबीबीआई) के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक के दौरान जिन मुख्य मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें शामिल हैं:

डीआरटी और डीआरएटी सख्त निगरानी के माध्यम से विभिन्न चरणों में लंबित मामलों को कम करने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। वसूली की प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाने के लिए ऋण वसूली न्यायाधिकरण विनियम, सरफेसी अधिनियम और

आरडीबी अधिनियम में बदलाव और संशोधन के संबंध में विभिन्न सुझाव। बैंक पैनल में शामिल अधिवक्ताओं के प्रदर्शन की समय-समय पर समीक्षा करेंगे और पैनल में शामिल अधिवक्ताओं को उनके प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए मामलों के आवंटन को तर्कसंगत बनाएंगे। विभिन्न अधिनियमों- सरफेसी अधिनियम, 2002, आरडीबी अधिनियम, 1993 और आईबीसी, 2016 के प्रावधानों के तहत बैंकों और वित्तीय संस्थानों की संपत्तियों की लिस्टिंग और नीलामी के लिए विकासाधीन ई-नीलामी मंच का लाभ उठाना। बैंक और वित्तीय संस्थान उन मामलों का समाधान करें जो डीआरटी और डीआरएटी में लंबित हैं लेकिन उनका निपटारा पहले ही हो चुका है।

कंपनी चाहे भारत की हो या विदेश की, देश के कानूनों का पालन करना है जरूरी, पेटीएम मामले से लें फिनटेक कंपनियां सीख: राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली।
इन दिनों पेटीएम पेमेंट बैंक का मुद्दा हर किसी के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रखी। मंत्री ने कहा कि यह एक एक मामला है, जो दिखाता है कि उद्यमी नियमों का पालन करने की जरूरत को नजरअंदाज करते हैं। कोई भी कंपनी कानूनों का बिना पालन किए काम नहीं कर सकती है। फिनटेक कंपनियां भी लेंगी सीख केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रिजर्व बैंक की नियामक कार्रवाई ने फिनटेक कंपनियों का ध्यान कानूनों के पालन के महत्व की ओर आकर्षित किया है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नियमों का पालन कंपनियों के लिए वैकल्पिक नहीं हो सकता है, बल्कि यह एक ऐसा पहलू है जिस पर प्रत्येक उद्यमी को पूरा ध्यान देना चाहिए। पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड मामले को लेकर मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी, चाहे वह भारत की हो या विदेश की, बड़ी हो या छोटी, उसे देश के कानूनों का पालन करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है। कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार भी कर दिया है। फिनटेक कंपनियों की बढ़ी चिंता

चन्द्रशेखर ने कहा कि यह धारणा कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई ने फिनटेक को परेशान कर दिया है। राजनेता, उद्यमी और टेक्नोक्रेट इस बात से असहमत थे कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक मुद्दे ने पूरे फिनटेक उद्योग के लिए हानिकारक परिणामों के बारे में चिंता बढ़ा दी है। मुझे लगता है कि इसने फिनटेक उद्यमियों का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि आपको यह भी जानना होगा कि कानून का अनुपालन कैसे करना है। चन्द्रशेखर ने आगे कहा कि उद्यमी आम तौर पर जो कुछ भी बना रहे हैं उस पर इतना ध्यान केंद्रित करते हैं कि कभी-कभी, वे नियामकों द्वारा निर्धारित नियमों की अनदेखी कर सकते हैं। पेटीएम क्यूआर कोड करता रहेगा काम आरबीआई ने जारी एफएक्यू (अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) की सूची में स्पष्ट किया कि दूसरे बैंक से लिंक्ड पेटीएम क्यूआर कोड, पेटीएम साउंडबॉक्स या पेटीएम पीओएस टर्मिनल 15 मार्च के बाद भी काम करना जारी रखेंगे। फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम के मालिक) ने इस बीच कहा कि उसने अपना नोडल खाता पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में ट्रांसफर कर दिया है। इस कदम के साथ 15 मार्च की समय सीमा के बाद पेटीएम क्यूआर, साउंडबॉक्स, कार्ड मशीन की निरंतरता की अनुमति देगा।

फेडरल रिजर्व के रुख पर रहेगी घरेलू शेयर बाजार की नजर

डॉलर, रुपया और कच्चे तेल की कीमतें भी शेयर बाजार को प्रभावित करेंगी

मुंबई।
अमेरिका में खुदरा बिक्री में भारी गिरावट आने की वजह से जून में ब्याज दरों में कमी होने की संभावना बढ़ने से वैश्विक बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई मजबूत लिवाली से बीते सप्ताह एक फीसदी से अधिक चढ़े घरेलू शेयर बाजार की नजर अगले सप्ताह नीतिगत दरों को लेकर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के रुख पर रहेगी। इस सप्ताह कई फैक्टर बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। इस सप्ताह 2 मेनबोर्ड और 3 एसएमई आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं, जबकि 7 नए शेयरों की बाजार में लिस्टिंग होने वाली है। कंपनियों के तिमाही नतीजे का सीजन नरम पड़ने लगा है क्योंकि ज्यादातर कंपनियों ने नतीजे जारी कर दिए हैं। निवेशकों की निगाहें एफपीआई पर भी रहेंगी, जो पिछले सप्ताह 5 में से 3 सेशन में लिवाल रहे, उन्होंने 6000 करोड़

रुपये से ज्यादा की खरीदारी की। डीआईआई ने भी 8,700 करोड़ रुपये की खरीदारी की। सप्ताह के दौरान बाजार पर कुछ विदेशी फैक्टर भी असर दिखा सकते हैं। अमेरिका में सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमिटी की हालिया बैठक के मिनट्स जारी होंगे। नए साल की छुट्टियों के बाद चीन समेत कई एशियाई बाजार वापस खुलेंगे। डॉलर, रुपया और कच्चे तेल की कीमतें भी शेयर बाजार को प्रभावित करेंगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 831.15 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 72 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 7242664 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 258.2 अंक उछलकर 22 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर 22040.70 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बैंकिंग क्षेत्र में भारी लिवाली ने सेंसेक्स और निफ्टी को नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ने में मदद की, जिससे ऊंचे मूल्यांकन और उच्च विनिमय मार्जिन जरूरतों पर चिंताओं के कारण बीते सप्ताह कारोबार की धीमी शुरुआत हुई। अन्य एशियाई बाजारों के विपरीत अमेरिका के अपेक्षा से कमजोर महंगाई आंकड़ों से उत्साहित सूचकांकों ने अपनी तेजी जारी रखी। अमेरिका में खुदरा बिक्री में गिरावट के कारण फेड रिजर्व के ब्याज दर में कटौती की निवेशकों की उम्मीदों को बल मिला। इसके अलावा यूरोज़ोन में अवस्फीति की प्रवृत्ति और नए साल की छुट्टियों के बाद चीन में खपत बढ़ने की उम्मीद ने बाजार को और समर्थन प्रदान दिया।

निर्यात बढ़ाने के लिए नए निर्यातक तैयार करने में जुटी सरकार, छोटे उत्पादकों को ई-कामर्स निर्यातक बनने में दी जा रही है मदद

नई दिल्ली। निर्यात में वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सरकार अधिक से अधिक उद्यमियों को निर्यातक बनने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इस काम के लिए जिला स्तर पर छोटे-छोटे उद्यमियों को ई-कामर्स प्लेटफार्म के जरिए निर्यातक बनाने का अभियान चलाया जा रहा है।
200 जिलों में चलेगा अभियान फिलहाल 200 जिलों में इस प्रकार का अभियान चलाया जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) व ई-कामर्स प्लेटफार्म मिलकर जिला स्तर पर छोटे उद्यमियों को ई-कामर्स प्लेटफार्म के माध्यम से निर्यातक बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने अगले छह-सात साल में ई-कामर्स निर्यात को 200 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। जिला स्तर पर कार्यक्रम के तहत छोटे उद्यमियों को उनके वस्तु के पंजीकरण, निर्यात के लिए लाइसेंस, लॉजिस्टिक व ग्राहकों के डाटा के साथ उनके ट्रेनिंग की व्यवस्था की जा रही है। अमेजन इंडिया ग्लोबल ट्रेड के निदेशक भूपेन वाकनकर ने बताया कि डीजीएफटी ने अमेजन इंडिया को 75 जिलों में ई-कामर्स निर्यात अभियान शुरू करने की जिम्मेदारी दी है और मुरादाबाद से इस अभियान की शुरुआत की जा चुकी है।

विलियमसन, साउदी अपना 100वां टेस्ट खेलने के लिए तैयार

ऑकलैंड।
कप्तान टिम साउदी और प्रमुख बल्लेबाज केन विलियमसन इस महीने के अंत में वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली आगामी टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं। साउदी और विलियमसन 8 मार्च से हेगले ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में अपना 100वां टेस्ट पूरा करने की राह पर हैं। यह जोड़ी 100 टेस्ट खेलने वाले न्यूजीलैंड टेस्ट क्रिकेटरों के एक विशेष क्लब में शामिल हो जाएगी जिसमें स्टीफन फ्लेमिंग, डैनियल विटोरी, ब्रेंडन मैकुलम और रॉस टेलर शामिल हैं। ।साउदी और विलियमसन क्रमश: न्यूजीलैंड के दूसरे सर्वकालिक अग्रणी टेस्ट विकेट लेने वाले और सर्वकालिक अग्रणी टेस्ट रन स्कोरर के रूप में श्रृंखला में प्रवेश करते हैं। नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स मार्ग से आगे बढ़ने और अंडर 19 स्तर पर एक साथ न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने के बाद, इस जोड़ी ने 2016 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना 50 वां टेस्ट भी एक साथ खेला। साउदी, रॉस टेलर, विराट कोहली और डेविड वार्नर के बाद इतिहास के चौथे खिलाड़ी होंगे जिन्होंने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के प्रत्येक व्यक्तिगत प्रारूप में 100 मैच खेले हैं। पैर की चोट से उबरने के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी टी-20 मैच से चूकने के बाद दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए डेरिल मिशेल की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्कॉट कुगेलजिन को काइल जैमीसन के स्थान पर शामिल किया गया है, जो पीठ में तनाव फ्रैक्चर के कारण बाहर हो गए हैं। कुगेलजिन, जिन्होंने पिछली गर्मियों में बे ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ न्यूजीलैंड ए के लिए मजबूत प्रदर्शन के कारण चुना गया है, जिसमें पहले चार दिवसीय मैच में 9-113 के मैच के आंकड़े और टीम को जीत दिलाने के लिए नाबाद 101 रन शामिल थे। तेज गेंदबाज ने प्लंकेट शील्ड में अपना फॉर्म जारी रखा है, प्रतियोगिता के पहले चार राउंड में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए 16 की औसत से 22 विकेट लेकर विकेट लेने वाले चार्ट में सबसे आगे हैं। न्यूज़ीलैंड की शेष टेस्ट टीम वही है जिसने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका पर पहली बार श्रृंखला जीत दर्ज की थी । विल ओ%रूर्के ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यादगार टेस्ट डेब्यू के बाद अपना स्थान बरकरार रखा है, जहां उन्होंने टेस्ट में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू करने वाले खिलाड़ी द्वारा अब तक के सर्वश्रेष्ठ मैच आंकड़े (9-93) हासिल किये थे , जिसमें उनका पहला टेस्ट पांच विकेट (5-34) भी शामिल है। मिचेल सेंटनर विशेषज्ञ स्पिन-गेंदबाजी विकल्प के रूप में जारी हैं, जबकि हाल ही में टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले रचिन रवींद्र और ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने और विकल्प जोड़े हैं। ट्रेंट बोल्ट, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भाग लेंगे, को हाल ही में न्यूनतम रेड-बॉल क्रिकेट एक्शन के कारण टेस्ट चयन के लिए नहीं माना गया था।

न्यूज ब्रीफ

अनुराग ठाकुर 19 फरवरी को गुवाहाटी में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर 19 फरवरी को गुवाहाटी में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। प्रसिद्ध पार्श्व गायक और संगीतकार पापोन 19 फरवरी को गुवाहाटी के सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रस्तुति देंगे। खेल उत्तर-पूर्व के सात राज्यों में खेले जाएंगे और 29 फरवरी को समाप्त होंगे। अनुराग ठाकुर असम के मुख्यमंत्री हिमता बिस्वा सरमा के साथ खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक वीडियो संदेश के माध्यम से एथलीटों को प्रेरित करेंगे। यह खेलों का चौथा संस्करण है। इन खेलों में 200 विश्वविद्यालयों के करीब 4500 एथलीट भाग ले रहे हैं। अंगराग महंत, जिन्हें पापोन के नाम से जाना जाता है, से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-अष्टलक्ष्मी को एक शानदार शुरुआत देने की उम्मीद है। असम की खेल और युवा कल्याण मंत्री, श्रीमती नंदिता गरलोसा ने कहा कि पापोन के शामिल होने से उद्घाटन समारोह में ग्लैमर जुड़ जाएगा। पापॉन भारत के युवा आइकन हैं और गुवाहाटी उन्हें लाइव सुनेगा। हमारे पास भूपेन हजारिका जैसे महानतम संगीतकार हैं लेकिन अच्छा संगीत किसी भी पीढ़ी को समझ में नहीं आता है। हजारिका और पापोन दोनों अपने तरीके से अद्वितीय हैं और जुबीन गर्ग को नहीं भूलना चाहिए। खेलों के भव्य उद्घाटन में सभी उपस्थित लोगों का निः शुल्क स्वागत किया जाएगा, साथ ही एकता, विविधता और खेल भावना के मूल्यों पर प्रकाश डालने वाला एक विषयगत शोकेस भी पेश किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, असम की जीवंत संस्कृति स्वदेशी कलाओं के मनोरम प्रदर्शन के साथ केंद्र में आएगी, जिससे कार्यक्रम में सांस्कृतिक विसर्जन की एक अतिरिक्त परत जुड़ जाएगी। विशेष रूप से, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 अष्टलक्ष्मी सरुसजाई स्टेडियम में कबड्डी मैचों के साथ शुरू हुई। दो पूलों में विभाजित आठ टीमें गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स भारत सरकार की खेलो इंडिया पहल का एक हिस्सा है जिसे 2016 में लॉन्च किया गया था।

तेंदुलकर के दौरे से कश्मीरी बल्ला निर्माताओं में उत्साह

श्रीनगर । महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने दक्षिण कश्मीर में एक बल्ला निर्माण इकाई का दौरा किया।

तेंदुलकर ने अपनी पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ चारसू अवंतीपोरा में एमजे स्पोर्ट्स बैट निर्माण इकाई का दौरा किया और लगभग एक घंटा वहा बिताया। सचिन के इस दौरे से उद्योग को काफी बढ़ावा मिलने की संभावना को देखते हुए काफी खुशी है। एमजे स्पोर्ट्स के मालिक मोहम्मद शाहीन ने बताया, कि 'तेंदुलकर की इस यात्रा से कश्मीर विलो बैट को काफी बढ़ावा मिलेगा, जिसकी काफी मांग है। क्रिकेट के दिग्गज को कश्मीर क्रिकेट बल्लों के बारे में बहुत सारी जानकारी थी और उनके कुछ सवाल भी थे। वह हमारे क्रिकेट बल्लों की गुणवत्ता से बेहद प्रभावित थे। तेंदुलकर बल्ला निर्माता इकाई में कम से कम एक घंटे तक रुके। 2022 टी20 क्रिकेट विश्व कप में टूर्नामेंट का सबसे लंबा छक्का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बल्लेबाज जुनैद सिद्दीकी ने अनंतनाग जिले में स्थित जीआर8 स्पोर्ट्स द्वारा निर्मित कश्मीर विलो बैट से मारा था। दक्षिण कश्मीर में 300 से अधिक बैट निर्माण इकाइयाँ हैं जो देश के भीतर और बाहर लगभग चार मिलियन क्रिकेट बैट की आपूर्ति करती हैं।

पुजारा ने रणजी में मणिपुर के खिलाफ आक्रामक अंदाज में शतक लगाया, टीम इंडिया में वापसी के कर रहे प्रयास

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा घरेलू क्रिकेट में सौराष्ट्र की ओर से लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पुजारा ने पहले पिछले मैच में राजस्थान के खिलाफ शतक के बाद मणिपुर के खिलाफ भी तेजी से शतक लगाया है। इस मैच में पुजारा ने 105 गेंदों पर 12 चौकों और एक छक्के की सहायता से 108 रन बनाए। राजकोट में भी पुजारा ने तेजी से बल्लेबाजी की। उन्होंने पहली पारी में भी शतक लगाया था। पुजारा ने यहां के सानोसारा क्रिकेट मैदान पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का अपना 63वां शतक लगाया। पुजारा ने ये शतक 102 गेंदों में ही पूरा कर लिया। पुजारा हमेशा ही धीमी बल्लेबाजी के लिए निशाने पर रहते है पर इस मैच में उनकी आक्रामक पारी को देखकर आलोचक भी हैरान हो गये। इस साल पुजारा रणजी ट्रॉफी में एक दोहरा शतक भी लगाया था। उन्होंने 243, 66, 91, 110 और 108 रन बनाये हैं। पुजारा की इन पारियों को देखकर यह साफ है कि वह भारतीय टीम में वापसी का दावा कर रहे हैं। पिछले मैच से पहले उन्होंने 7 मैचों में 673 रन बनाए थे। वहीं इस दौरान उनका औसत 77 का था। मणिपुर को पहली पारी में 142 रन पर समेटने के बाद सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी 6 विकेट पर 529 रन पर घोषित की।

राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड 122 पर ऑलआउट

भारत सीरीज में 2-1 से आगे, जडेजा को 5 विकेट ; यशस्वी ने लगाया दोहरा शतक

नई दिल्ली।
टीम इंडिया ने राजकोट टेस्ट रिकॉर्ड 434 रन से जीत लिया है।557 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122 रन ही बना सकी। रवींद्र जडेजा ने मार्क वुड को कैच आउट कराया, इसी के साथ टीम ऑलआउट हो गई। जडेजा ने 5 विकेट लिए, उन्होंने पहली पारी में शतक भी लगाया था।रन के अंतर से टीम इंडिया की यह सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम ने 2021 में मुंबई के वानखेड़े मैदान पर न्यूजीलैंड को 372 रन से हराया था। दूसरी पारी में भारत से यशस्वी जायसवाल ने 214 रन और शुभमन गिल ने 91 रन बनाए। वहीं पहली पारी में रोहित शर्मा ने 131 और रवींद्र जडेजा ने 112 रन बनाए। सरफराज खान ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट लिए थे। इंग्लैंड से बेन डकेट ने पहली पारी में 153 रन बनाए। उनके अलावा दोनों पारियों में कोई भी प्लेयर फिफ्टी नहीं लगा सका। निरंजन शाह स्टेडियम में पहली पारी में भारत ने 445 और इंग्लैंड ने 319 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी 430 पर डिक्लेयर की थी।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप : भारतीय महिला टीम ने फाइनल में थाईलैंड को 3-2 से हराया, ऐतिहासिक स्वर्ण जीता

मलेशिया । भारत की बेटियों ने इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। युवा अनमोल खरब ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। रोमांचक फाइनल में भारत ने थाईलैंड को 3-2 से हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। पीवी सिंधू के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम के युवा और तेजतर्रार समूह ने थाईलैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और दो बार की कांस्य पदक विजेता थाईलैंड के खिलाफ जीत हासिल की। पूरी ताकत के साथ नहीं उतरी थाईलैंड की टीम प्रतियोगिता में ज्यादातर टीमों की तरह, थाईलैंड पूरी ताकत के साथ नहीं खेल रहा था। वे अपने शीर्ष दो एकल खिलाड़ियों - विश्व नंबर 13 रतचानोक इंतानोन और विश्व नंबर 16 पोर्नपावी चोचुवोंग के बिना थे। चार महीने बाद एक्शन में लौटीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पहले मैच में दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा काटेथोंग को 21-12, 21-12 से हरा दिया। उन्होंने पहला एकल मुकाबला जीतकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। सिंधू जीतीं, लेकिन अश्मिता को मिली हार विश्व नंबर 23 त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इसके बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और दुनिया की नंबर 10 जोड़ी के खिलाफ चौंका देने वाला प्रदर्शन किया। जोंगकोलफान कितिथाराकुल और राविंडा प्रा जोंगजई की जोड़ी को त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने 21-16, 18-21, 21-16 से हराया और भारत को ड्राइवर सीट पर बैठा दिया। विश्व नंबर 18 खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ अपना दूसरा एकल मुकाबला खेल रहीं अश्मिता चलिहा से काफी उम्मीदें थीं। अश्मिता ने पूर्व विश्व चैंपियन जापान की नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ शानदार जीत हासिल की थी। श्रुति और प्रिया भी हारीं अश्मिता ने 2022 में सिंगापुर ओपन के दौरान बुसानन को हराया था। वह दूसरे गेम में 14-14 तक मैच में बनी रहीं, लेकिन उसके बाद अप्रत्याशित गलतियां अश्मिता को महंगी पड़ीं और वह अनुभवी थाई खिलाड़ी से 11-21 14-21 से हार गईं।

ऑस्ट्रेलिया के सामने फिसड्डी निकली दक्षिण अफ्रीका, एक पारी के अंतर से विशाल शिकस्त झेली

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकमात्र टेस्ट में एक पारी और 284 रन के विशाल अंतर से मात दी। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 76 रन के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी 575/9 के स्कोर पर घोषित की।

इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर 499 रन की बढ़त हासिल की। प्रोटियाज टीम दूसरी पारी में 215 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड (210 रन और पांच विकेट) को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बेथ मुनी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का दबदबा

दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे दिन अपनी पारी 67/3 के स्कोर से आगे बढ़ाई। ताजमिन ब्रिट्स (31) ने डेलमी टकर (64) के साथ मिलकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। एलिस पेरी ने ब्रिट्स को लिचफील्ड के हाथों कैच आउट कराकर ऑस्ट्रेलिया को दिन की पहली सफलता दिलाई।

ट्रायन का संघर्ष बेकार

टकर और क्लोए ट्रायन (64) ने पांचवें विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। गार्डनर ने अपनी ही गेंद पर टकर का कैच लेकर प्रोटियाज को पांचवां झटका दिया। टकर ने 181 गेंदों में 7 चौके की मदद से 64 रन बनाए। फिर गार्डनर ने नादिने डी क्लर्क को खाता भी नहीं खोलने दिया और सदरलैंड के हाथों कैच आउट करा दिया।

इस तरह ऑलआउट हुई दक्षिण अफ्रीका

सिनालो जाफ्टा (9) को डार्सी ब्राउन ने क्लीन बोल्ड किया। ट्रायन को भी सदरलैंड ने क्लीन बोल्ड किया। ट्रायन ने 153 गेंदों में 10 चौके की मदद से 64 रन बनाए। सदरलैंड ने नानकुलुलेको मलाबा को हीली के हाथों कैच आउट कराकर अपना तीसरा शिकार किया।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान मुस्तफिजुर रहमान के सिर पर लगी चोट

ढाका।
बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) फ्रेंचाइजी कोमिला विक्टोरियंस के साथ प्रशिक्षण सत्र के दौरान सिर पर चोट लगने के बाद चटगांव के अस्पताल ले जाया गया है।

मुस्तफिजुर अपने गेंदबाजी मार्क के करीब थे, जब लिटन दास का एक शॉट उन्हें लगा, जो पास के नेट में बल्लेबाजी कर रहे थे।

मुस्तफिजुर के सिर पर चोट लग गई और खून बहने लगा। मुस्तफिजुर को स्टैंडबाय एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाने से पहले मैदान पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया।

यह घटना तब हुई जब बगल के नेट में बल्लेबाजी कर रहे लिटन दास ने एक ऐसा शॉट मारा जिससे मुस्तफिजुर के सिर पर चोट लग गई।

सीटी स्कैन से पता चला कि अंदरूनी तौर पर कोई खून नहीं बह रहा है। टीम के फिजियो एसएम जाहिदुल इस्लाम साजल ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि मुस्तफिजुर के सिर पर चोट लगी थी, जिसका इलाज कंप्रेशन बैंडेज से किया गया था।

उन्हें घाव में टांके लगाने के लिए एक सर्जिकल प्रक्रिया से गुजरना पड़ा और वर्तमान में कोमिला विक्टोरियंस टीम के फिजियो द्वारा उनकी बारीकी से निगरानी की जा रही है।

क्रिकेट जगत में फैली शोक की लहर, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी और कोच का 77 की उम्र में हुआ निधन

नई दिल्ली।
दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी और कोच माइक प्रोक्टर का 77 की उम्र में निधन हो गया। प्रोक्टर के निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर फैल गई है। माइक प्रोक्टर दक्षिण अफ्रीका के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में से एक थे। प्रोक्टर अलगाव के बाद के युग में दक्षिण अफ्रीका के पहले कोच थे। माइक प्रोक्टर का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने 401 फर्स्ट क्लास मैचों में 21,936 रन बनाए और 1,417 विकेट लिए। जानकारी मिली है कि 77 साल के प्रोक्टर को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके लिए उनकी सर्जरी कराई गई थी। सर्जरी के दौरान कुछ दिक्कत हुई, जिसके बाद प्रोक्टर को आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा।

पत्नी ने बताई सच्चाई

माइक प्रोक्टर की पत्नी मरायना ने दक्षिण अफ्रीकी वेबसाइट को बताया, माइक प्रोक्टर को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके लिए सर्जरी कराई थी। सर्जरी के दौरान प्रोक्टर को कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण आईसीयू में भर्ती किया गया। वो बेसुध हुए और दुर्भाग्यवश दोबारा आंख नहीं खोली।

प्रोक्टर ने खेले सात टेस्ट

माइक प्रोक्टर का अंतरराष्ट्रीय करियर तीन साल (1967-1970) का रहा। इस दौरान उन्होंने सात टेस्ट मैच खेले और इसमें से छह में जीते। क्रिकेट जगत में अपनी गेंदबाजी शैली के लिए लोकप्रिय प्रोक्टर ने फैंस को प्रभावित किया जब 15.02 की औसत से 41 विकेट लिए।

हालांकि, प्रोक्टर के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर पर 1970 में ब्रेक लग गया जब रंगभेदी सरकार के कारण दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध लगा। इस समय दक्षिण अफ्रीका किसी भी क्रिकेट गतिविधि में शामिल नहीं हो पाया। भले ही प्रोक्टर का अंतरराष्ट्रीय करियर बेहतरीन नहीं रहा हो, लेकिन उनके फर्स्ट क्लास नंबर बेहतरीन रहे हैं।

16 साल का फर्स्ट क्लास करियर

माइक प्रोक्टर ने 16 साल फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला। इसमें 14 सीजन इंग्लिश काउंटी के रहे। ग्लोसेस्टरशायर टीम की उन्होंने पांच साल कप्तानी भी की। फर्स्ट क्लास करियर में प्रोक्टर ने 48 शतक और 109 अर्धशतक जड़े। माइक प्रोक्टर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट इतिहास के अकेले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एक घरेलू सत्र में 500 रन बनाए और 50 विकेट चटकाए।

कीनन में वरुण एरोन व सौरभ शेखर का कहर, झारखंड के खिलाफ 210 रन पर सिमटी राजस्थान

जमशेदपुर।
वरुण एरोन व सौरभ शेखर की घातक गेंदबाजी की बदौलत झारखंड ने कीनन स्टेडियम में चल रहे रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए के एक मुकाबले के दूसरे दिन दूसरी पारी में मेहमान राजस्थान को 210 रन पर रोक दिया।

दूसरी पारी में झारखंड की टीम स्टंप के समय तक पांच विकेट पर 171 रन बना चुकी थी। कप्तान सौरभ तिवारी व आदित्य सिंह क्रमश: तीन व 34 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। फिलहाल, झारखंड टीम को 149 रन की बढ़त हासिल है। पहली पारी में झारखंड की टीम 188 रन पर लुढ़क गई थी।

210 रन पर सिमटी राजस्थान की टीम

दो विकेट पर 79 रन से आगे खेलने उतरी राजस्थान की टीम 210 रन बनाकर सिमट गई। सुमित गोदरा व सलमान खान ने झारखंड के गेंदबाजों को बखूबी छकाया। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट की साझेदारी में 66 रन जोड़े। सुमित ने छह चौके की मदद से 44 तथा सलमान खान ने सात चौके की मदद से 52 रन बनाए। यह जोड़ी टूटते ही राजस्थान की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखड़ गई। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रामनिवास गोलाडा ही 34 रन बना पाए। बाकी बल्लेबाज 20 का आंकड़ा भी स्पर्श नहीं कर पाए।

वरुण एरोन ने की घातक गेंदबाजी झारखंड की ओर से गेंदबाजी करते हुए वरुण एरोन ने 18.5 ओवर में 65 रन देकर चार विकेट लिए, वहीं सौरभ शेखर ने तीन विकेट अपने नाम किए। अनकुलू राय को दो व उत्कर्ष सिंह को एक विकेट मिला। झारखंड के सलामी बल्लेबाज नजीम सिद्दिकी व आर्यमान सेन ने दूसरी पारी की अच्छी शुरुआत की। दोनों ने मिलकर पहले विकेट की साझेदारी में 69 रन जोड़े। नजीम ने 33 व आर्यमान ने 38 रन बनाए। यह जोड़ी टूटते ही मेजबानों की पारी लड़खड़ा गई। उत्कर्ष सिंह पांच के स्कोर पर सुथार की गेंद पर लोमरोर को कैच थमा बैठे। आदित्य सिंह ने तीन चौके की मदद से 34 ता अनुकूल राय ने चार चौके की मदद से 21 रन बनाए। कुमार कुशाग्र ने तीन चौके की मदद से 23 रन बनाए। राजस्थान की ओर से अनिकेत चौधरी ने दो विकेट लिए, वहीं मानव सुथार, अजय सिंह व महिपाल लोमरोर को एक-एक विकेट मिला।

वुड्स ने बीमारी के कारण अपना नाम वापस लिया

कैलिफोर्निया । टाइगर वुड्स ने जेनेसिस इनविटेशनल के दूसरे दौर से बीमारी के कारण अपना नाम वापस ले लिया। प्रतिष्ठित रिवेरा कंट्री क्लब में टूर्नामेंट की मेजबानी कर, सातवें होल पर खेलने के तुरंत बाद एक कार्ट पर कोर्स छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले साल अप्रैल में तीसरे दौर में चोट लगने के कारण मास्टर्स से हटने के बाद पीजीए टूर से उनकी अनुपस्थिति ने प्रशंसकों को खेल में उनके भविष्य के बारे में आश्चर्यचकित कर दिया था। 15 बार के प्रमुख चैंपियन के रूप में अपने ऐतिहासिक करियर के बावजूद, वुड्स को कैलिफोर्निया में कोर्स पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और अपनी असामयिक वापसी से पहले दो ओवर पार खेले। अमेरिकी खिलाड़ी, जो गोल्फ का सबसे बड़ा आकर्षण हैं, ने शुरुआती दौर में वन-ओवर-पार 72 के शानदार प्रदर्शन के दौरान पांच बर्डी और छह बोगी बनाईं। 1992 में 16 साल की उम्र में रिवेरा में अपने पीजीए टूर डेब्यू की याद दिलाने वाली लाल, नेवी और सफेद धारीदार पोलो पहनकर वुड्स की यात्रा पूरी हो गई। हालाँकि, असफलताएँ जारी रहीं क्योंकि वह सर्जरी द्वारा ठीक किए गए पैर में ऐंठन और दर्द से जूझ रहे थे, जो उनकी चोटों के उनके शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव की याद दिलाता है। टखने की फ्यूजन सर्जरी से गुजरने और 2021 में एक गंभीर कार दुर्घटना के परिणाम को सहन करने के बावजूद, वुड्स का खेल के प्रति जुनून कम नहीं हुआ है।

एक बार रद्द होने पर दोबारा कभी नहीं बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस

यदि देश के किसी भी शहर में ड्राइविंग लाइसेंस रद्द होता हैं तो अब नई व्यवस्था के तहत कहीं भी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बन पाएगा। केंद्र सरकार ने ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की जटिलता को समाप्त करने जा रही है। साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है।

नेशनल पोर्टल से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू : सभी राज्यों में बनने वाले ड्राइविंग लाइसेंस को नेशनल पोर्टल से जोड़ने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। किसी भी शहर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर लाइसेंस रद्द होता है, तो वह नेशनल पोर्टल में अपडेट हो जाएगा। दोबारा उस चालक का किसी भी शहर से लाइसेंस नहीं बन पाएगा।

आधार से भी जुड़ेगा लाइसेंस : वहीं आवेदनकर्ता को डीएल बनवाने के लिए आधार कार्ड देना होगा। इससे देशभर में फर्जी डीएल बनवाने के सिलसिले पर अंकुश लगेगा।

फोन पर ऐसे ब्लॉक करें मनचाहे एप के नोटिफिकेशन

स्मार्टफोन पर लगातार होने वाली नोटिफकेशन की बारिश कई बार यूजर के सिर का दर्द बन जाती है। फोन पर आने वाली सभी नोटिफिकेशन काम के नहीं होते, इसलिए यूजर चाहें तो बेवजह के नोटिफिकेशन को ब्लॉक कर सकते हैं। इसके लिए यूजर को सबसे पहले अपने फोन की सेटिंग्स में जाना होगा। अब नीचे की तरफ स्क्रॉल करने पर यूजर को 'नोटिफिकेशन' का विकल्प नजर आएगा। इस पर क्लिक करते ही फोन में मौजूद सभी एप्लीकेशन के आईकन डिसप्ले पर दिखाई देने लगेंगे। मिसाल के तौर पर यदि आप जीमेल के नोटिफिकेशन को मोबाइल पर बंद करना चाहते हैं तो उसके आईकन पर क्लिक करें। फिर सबसे ऊपर नजर आ रहे 'ब्लॉक ऑल' के सामने मौजूद बटन को एक्टिव कर दीजिए। ऐसा करने से जीमेल पर आने वाले मैसेज से संबंधित नोटिफिकेशन डिस्प्ले पर फ्लैश नहीं होंगे। इस तरह यूजर चाहें तो अपने फोन में मौजूद किसी भी एप्लीकेशन के लिए नोटिफिकेशन को आसानी से ब्लॉक कर सकते हैं।

हेल्थ केयर

लगातार बैठते हैं कंप्यूटर स्क्रीन के सामने तो बरतें कुछ सावधानियां

अधिकतर हर दूसरा व्यक्ति आजकल कंप्यूटर पर काम करता है। यहां तक कि बच्चों की पढ़ाई भी इसी पर ही होने लगी है। ऐसे में कंप्यूटर पर लंबे समय तक काम करने के दौरान कुछ लोगों की आंखों में परेशानी होने लगती है जैसे आंखों में जलन, खुजली, आंख से पानी आना आदि। इन सब परेशानियों से बचने के लिए आप कंप्यूटर पर काम करते समय इन बातों को अपनी रूटीन में शामिल करें।

1. काम करने के 20 मिनट बाद 20 सेकेंड के लिए रूककर कम से कम 20 फीट दूर की वस्तु देखें।
2. बीच-बीच में आंखों बंद करें धीरे-धीरे आंखों को घड़ी की सूई की दिशा में और विपरीत दिशा में घुमाएं। ऐसा तीन बार करें।
3. हमेशा कंप्यूटर पर गहरे रंग का फान्ट और हल्के रंग के बैक ग्राउंड पर काम करना चाहिए।
4. मॉनिटर पर एंटी ग्लेयर स्क्रीन लगाना चाहिए। इससे लाइट रिफ्लेक्शन कम होता है और आंखों को आराम रहता है।
5. जब भी आप कंप्यूटर पर काम कर रहे हो तो ध्यान रखें कि रूम में रोशनी पूरी हो।लाइट सीधी आंखों पर न पड़े।
6. कंप्यूटर पर काम करने के लिए ऐसी चेयर का इस्तेमाल करें। जिसमें आर्म रेस्ट लगा हो।
7. आंखों से मॉनिटर की दूरी 25 ईंच के लगभग होनी चाहिए और मॉनिटर बिल्कुल आंखों के सीध में होना चाहिए।

फीकी पड़ी मेहंदी को रिमूव करने के बेस्ट तरीके

भारत में मेहंदी का इस्तेमाल तो सदियो से किया जा रहा है। कोई भी त्यौहार क्यों ना हो, लेकिन महिलाएं मेहंदी को लगाना नहीं भूलती। मेहंदी जितनी ज्यादा रचती है, इसे लगाने वाले के चेहरे पर उतनी ज्यादा खुशी झलकती है। लेकिन जब मेंहदी फीकी पड़ने लगती हैं तब यह दिखने में बिल्कुल अच्छी नहीं लगती। तब ऐसा लगता है कि बस किसी भी तरह से यह फटाफट हट जाए। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप अपने हाथों में लगी फीकी मेंहदी को हटा सकती हैं।

1. **ब्लीच :** सबसे पहले ब्लीच को अपने हाथों में लगा लें। फिर इसके सुखने के बाद हाथों को धो लें। उसके बाद हाथों पर मॉइश्चराइज़र लगा लें। ऐसा करने से मेंहदी पूरी तरह तो नहीं हटेगी, लेकिन हां, इससे काफी हद तक खत्म हो जाएगी। आप ऐसा दो-तीन बार दोहरा सकती हैं।
2. **नींबू :** नींबू के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। फिर इन टुकड़ों को अपने हाथों पर रगड़े। ऐसा करने से मेंहदी धीरे-धीरे छुटने लगेगी।
3. **ऑलिव ऑयल :** ऑलिव ऑयल और नमक को अच्छी तरह से मिला लें और कॉटन बॉल की मदद से इस मिक्सचर को हाथो पर लगाएं। इस मिक्सचर को हाथों पर लगाकर थोड़ी देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब एक सूखे कॉटन बॉल की मदद से इसे साफ कर लें। आप देखेंगी कि मेहंदी हल्की हो गई है और जब आप ऐसा दोबारा करेंगी तो ना सिर्फ मेहंदी का रंग खत्म हो जाएगा।
4. **डिटरजेंट :** सबसे पहले पानी में थोड़ा डिटरजेंट मिला लें और अपने हाथों को उसमें डुबोएं। डिटरजेंट में मौजूद ब्लीचिंग एजेंट जैसे ही अपना काम करना शुरू करेंगा वैसे ही आप महसूस करेंगी कि आपकी मेहंदी का रंग धीरे-धीरे खत्म हो रहा है।

EXam Time!

तनाव से बचाएं यूं करवाएं बच्चों को तैयारी

तेज रफ्तारी कॉम्पिटिशन के जमाने में प्रत्येक माता-पिता, बच्चे को अच्छे संस्कारों के साथ उच्च शिक्षा देना चाहता है ताकि उनका भविष्य उज्जवल बन सकें। भारत में अधिकतर माता-पिता बच्चों की पढ़ाई और शादी में निवेश करने को पहली प्राथमिकता देते हैं। खासकर शिक्षा में, क्योंकि पढ़ाई-लिखाई हर बच्चे के लिए बहुत जरूरी है लेकिन कुछ बच्चे शिक्षा को बोझ समझ लेते हैं और पेपरों के दिनों में चिंता और तनाव का शिकार हो जाते हैं। यहां तक की कुछ बच्चे खाना-पीना भी छोड़ देते हैं। एग्जाम के दिनों में पैरेंट्स बच्चों पर ज्यादा दबाव बनाते हैं। इन दिनों में बच्चों को फ्रैश माइंड रहने दें तभी वह पेपरों में अच्छे नंबर ले पाएंगे।

-टाइम टेबल सैट करें

एग्जाम से पहले एक बार सारे सैलेब्स की रिविजन करना बहुत जरूरी है। कुछ पैरेंट्स पेपर के एक दिन पहले ही सारा सैलेब्स याद करवाने की कोशिश करते हैं। ऐसा करने से बच्चा तनाव में ही आएंगे। बेहतर विकल्प यही है कि आप टाइम-टेबल के अनुसार रोज उन्हें थोड़ा-थोड़ा सैलेब्स याद करवाएं। डेटशीट के हिसाब से टाइम टेबल सैट करें और पढ़ाई के बीच थोड़ा आराम भी करने दें।

-डाइट का भी रखें ख्याल

बहुत सारे बच्चे इन दिनों खाना-पीना छोड़ देते हैं, जिससे उनके स्वभाव में बेचैनी और चिड़चिड़ापन आ सकता है। एग्जाम के दिनों में बच्चों को बाहर का खाना बिल्कुल ना दें ।घर पर ही उन्हें कुछ बढ़िया बनाकर खिलाएं । उसके भोजन में दलिया, ओट्स, कॉर्न आदि शामिल करें ताकि उसका पाचन भी अच्छा रहे और उसे हल्का भी महसूस हो। बादाम, अखरोट, काजू भी शामिल करें।

-प्रैशर ना डालें

बहुत सारे पेरेंट्स बच्चों पर पढ़ाई का दबाव बनाने लगते हैं जिससे बच्चे स्ट्रैस में आ जाते हैं। ऐसा करने की गलती ना करें। ना ही बच्चे की तुलना किसी अन्य बच्चे से करें।

- बच्चे को कैसे करवाएं तैयारी

सैलेब्स में जो चीजें बच्चे को अच्छे से आती हैं उसे बाद में रिवाइज करवाएं। उस सैलेब्स की तैयारी पहले करवाएं, जिसमें बच्चा कमजोर हो। साथ-साथ थोड़ा टी.वी या गेम्स भी खेल दें ताकि बच्चा दोबारा पढ़ाई करने के लिए फ्रैश महसूस करें।

पर्याप्त नींद

एग्जाम से पहली वाली रात को पर्याप्त नींद लेना भी बहुत जरूरी है। नहीं तो एग्जाम टाइम वह शरीरिक रूप से सुस्त होगा। एग्जाम के लिए आप पूरे साल मेहनत करते हैं। इसकी तैयारी एक रात में नहीं हो सकती है। बच्चे पर ज्यादा दबाव ना बनाएं और समय पर जरूर सुलाएं।

बच्चों को सिखाएं करना खुद की सुरक्षा

हर मां-बाप चाहते है कि उनका बच्चा सुरक्षित रहे। इसके लिए मां-बाप अपने बच्चों को हर अच्छी-बुरी बातों के बारे में समझाते हैं। लेकिन बच्चे बहुत मासूम होते हैं, उन्हें अच्छी-बुरी बातों का पता नहीं होता। वह हर किसी से पास बहुत जल्दी चले जाते हैं और इसी बात का अजनबी फायदा उठाते हैं। इसलिए बेहतर यही कि आप पहले से ही अपने बच्चों को अचनबियों के बारें बता दें। ताकि आपका बच्चा हर पल सुरक्षित रह सके।

1. अनजानी जगह ना जाए

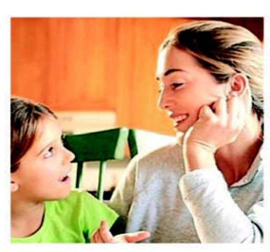

बच्चों को ये बात जरूर बताएं कि उनके लिए जंगल, पार्किंग स्थल या अंधेरी गली ऐसी जगहें सुरक्षित नहीं है। इसलिए ऐसी जगहें अकेले कभी ना जाए। अगर जाना जरूरी है तो हमेशा एक बड़े व्यक्ति को लेकर जाएं।

2. घर पर सुरक्षा

अगर आप अपने बच्चे को अकेला घर पर छोड़ कर जा रहे हैं तो उसे यह बात जरूर बताएं कि बिना जान-पहचान के किसी को घर के अंदर ना आने दें।

3. दोस्तों के साथ खेलें

जब भी आपका बच्चा बाहर खेलन जा रहा हो तो उसे अपने दोस्तों के साथ ही रहने को कहे। उसे समझाए कि यहां-वहा जाने की जरूरत नहीं है। खेलकर सीधा घर पर आएं।

4. अजनबी की पहचान

बच्चों को बताएं कि अगर उन्हें कोई अंकल या आंटी खिलौनें देकर अपने पास बुलाने की कोशिश करता हैं तो उनके पास नहीं ना जाए।

5. जानकारी जरूर दें

उन्हें बताएं कि अगर वे गलती से कही किसी मुश्किल में फस जाएं तो वहां से कैसे बाहर आना है। इसके अलावा बच्चों को सभी जगहों की जानकारी भी जरूर दें। जैस-पुलिस स्टैशन या फिर किसी पहचान वाले का घर।

पैरेंटिंग टिप्स

अपने बच्चे को जरूर सिखाएं ये 10 अच्छी बातें

भले ही बच्चे अपनी शिक्षा स्कूल में अध्यापकों से लेते हैं लेकिन उनकी असली पाठशाला तो घर से ही शुरू होती है। परिवार के सदस्य उन्हें जैसा चाहे उसी व्यवहार में ढाल सकते हैं। बच्चों को घर में अच्छा माहौल दें ताकि वह खुशनुमा व्यवहार का हो। ऐसे संस्कार सिखाएं जो आगे चल कर उनका भविष्य सुनहरा बना दें। छोटी छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है लेकिन इस बात को हमेशा याद रखें कि बच्चे वहीं सीखते हैं जो वह देखते हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बच्चा समझदार और अच्छा इंसान बने तो उन्हें सीखाने से पहले कुछ बातों पर खुद भी अमल करें।

1. प्लीज और थैंक्यू

जब भी आप अपने बच्चे से कोई भी चीज मांग रहे हो या फिर उनसे कुछ पूछ रहे हो तो प्लीज वर्ड का इस्तेमाल करना ना भूलें। इसके अलावा जब बच्चा आपको कोई चीज लाकर दें तो उसे थैंक्यू भी जरूर बोलें। ऐसा करने से ये आदत बच्चे भी जल्दी सीख जाते हैं।

2. बड़ों के बीच में ना बोलें

ये बात बच्चों को जरूर सिखाएं कि जब कोई दो बड़े आपस में बात कर रहे हो तो उनके बीच में बोलना गलत बात होती है।

3. अनुमति लें

यह आदत बच्चों में शुरू से ही पाएं कि जब भी वे बाहर जाए तो आपसे अनुमति जरूर लें। बिना अनुमति के वे बाहर ना जाएं।

4. जवाब कैसे दें

जब भी आपके बच्चे से कोई उनका हाल-चाल पूछे तो उन्हें आगे से जवाब कैसे देना है, ये बात उन्हें जरूर सिखाएं। इससे बच्चे लोगो से बात करना और उनके सवाल का जवाब देना सिख जाते हैं।

5. डॉर नॉक

यह आदत बच्चों में जरूर डालें कि वे जब भी किसी के कमरे में जा रहे हो तो सबसे पहले डॉर नॉक जरूर करें। अगर कोई अंदर से रेस्पॉन्स करें तभी रूम के अंदर जाएं।

6. छींक आने पर

बच्चे को जब छींक या खांसी आए तो मुंह को रुमाल से ढक कर छींके या हाथ लगा छींके। छींकने के बाद सॉरी वर्ड का जरूर इस्तेमाल करें।

7. गलत भाषा का इस्तेमाल ना करें

बच्चे बहुत जल्दी आसानी से गलत भाषा बोलना सीख जाते हैं। इसलिए बच्चों के सामने कभी भी गलत भाषा का इस्तेमाल ना करें।

8. टकराना

बच्चे रास्ता चलते समय अगर गलती से किसी से टकरा जाए तो तुरंत उसे सॉरी बोलने के लिए कहे।

9. टेबल मैनर्स

बड़े जब आपको खाना सर्व करें। तभी खाएं आप खुद ही जल्द बाजी में खाना न परोसने लगे। साथ ही बड़ों के टेबल मैनर्स को देख कर फॉलो करें।

10. किसी का मजाक न बनाए

बच्चे अपने से कमजोर बच्चे को चुंगली और मजाक न करें बल्कि दूसरों की सहायता करने के लिए कहना चाहिए।

पहाड़ीयों और लुभावनी घाटियों के लिए प्रसिद्ध है नगालैंड

नगालैंड, भारत के पूर्वोत्तर का एक पहाड़ी क्षेत्र है जो अपनी पहाड़ीयों और लुभावनी घाटियों के लिए प्रसिद्ध है। यहां का शांत वातावरण आपके मन को सुकून देगा और आप सारे गम भूल जायेंगे। इस जगह की खूबसूरती पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है। अक्टूबर से मई के बीच यहां घूमना सबसे अच्छा रहता है। यह समुद्र तल से 2438.4 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

कोहिमा वार सेमेटेरी- अगर आप विश्व युद्ध के इतिहास को याद करना चाहते हैं तो एक बार कोहिमा वार सेमेटेरी जरूर जाएं। यह वार सेमेटेरी ब्रिटिश, भारतीय और सैनिकों के सम्मान में समर्पित किया गया है।

मोकोकचुंग मोकोकचुंग को नागालैंड की सांस्कृतिक और बौद्धिक राजधानी माना जाता है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और नदियों की ध्वनि आपको बहुत प्रभावित करेगी। यह पारंपरिक भूमि त्यौहार के मौसम के दौरान और सुंदर हो जाती है। यह समुद्र तल से 1325 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मोकोकचुंग का मौसम साल भर एक जैसा ही होता है।

कैथोलिक चर्च कोहिमा के प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यह एक बहुत ही पुरानी बैपटिस्ट कैथेड्रल है। यह जगह आपको नागालैंड के ईसाई धर्म के महत्त्व को दर्शाता है। यह चर्च बहुत ही बड़ा है और इसके जैसे आकार वाली चर्च आपको देखने को नहीं मिलेगी। चर्च के अंदर की पेंटिंग बहुत ही खूबसूरत हैं।

डूजुकू वैली- डूजुकू वैली मनीपुर के सीमा के पास स्थित है। यह कोहिमा से लगभग 30 किमी की दूरी पर है। इस घाटी को अपनी प्राकृतिक सुंदरता और हर मौसम के फूलों के लिए जाना जाता है। डूजुकू घाटी की यात्रा करने के लिए सबसे अच्छा समय वसंत का होता है, इस समय पूरी घाटी फूलों से ढकी हुई होती है। नागा हिल्स नागा हिल्स 3825 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह भारत और बर्मा के सीमा पर स्थित है। नागा शब्द वहां के नागा लोगों के कारण रखा गया था, जिन्हें बर्मी भाषा में नागा या नाका बोला जाता है।

सोम कोन्यक- नागाओं की भूमि, सोम नगालैंड में यात्रा करने के लिए एक दिलचस्प जगह है। कोन्यक खुद को नूह और अभ्यास कृषि के वंशज मानते हैं। सोम जिला नागालैंड की उत्तरी दिशा में है। यह उत्तर में अरुणाचल प्रदेश के राज्य से घिरा है, असम के पश्चिम में और म्यांमार के पूर्व में है।

दीमापुर- दीमापुर नागालैंड का प्रवेश द्वार है। दीमापुर एक कमर्शियल प्लेस है। यहां आपको हर तरह की जरूरत के सामान मिल जाएंगे। दीमापुर में घूमने के लिए कई स्थान हैं। जैसे कछारी खंडहर, इनटंकी वन्यजीव अभयारण्य, दीमापुर प्राणी उद्यान, हरा पार्क, रिजर्व वन, शिल्प गांव, हथकरघा और हस्तशिल्प एम्पोरियम और दीमापुर ए ओ बैपटिस्ट चर्च।

पाँवों को आराम देने और खूबसूरत बनाने के उपाय

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके-हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी-फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाब जल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे।

लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी-थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते-चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके।

बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

रेसिपी

राइस पुडिंग

दो कप बने हुए चावल
दो कप दूध
तीन चम्मच चीनी
चुटकीभर नमक
दालचीनी पावडर
इलायची पावडर
एक चम्मच वनीला एक्सट्रेक्ट
फेंटी हुई मलाई आवश्यक हो तो।

विधि

एक बड़े पैन में चावल, दूध, चीनी और नमक को मिला लें। इसे बिना ढंके तकरीबन 20 मिनट तक धीमी आंच पर चलाते रहे जब तक यह गाढ़ा न हो जाए।

इसके बाद आंच पर से उतार लें और इसमें वनीला एसेंस डालकर चलाएं।

ऊपर से दालचीनी या इलायची पावडर छिड़ककर डेकोरेट करें। हल्का गुनगुना ही सर्व करें।

आवश्यकता लगे तो ऊपर से क्रीम भी डाल सकते हैं। बस, तैयार है स्पेशल राइस पुडिंग।

कर्ड राइस

125 ग्राम चावल, 500 ग्राम दही, 10 ग्राम अदरक (किसा हुआ), दो हरी मिर्च बारीक कटी
दो टेबलस्पून तेल
एक चम्मच राई
दो साबुत लाल मिर्च
थोड़े काजू एक चुटकी हींग, 5-6 कढ़ी पत्ते
नमक स्वादानुसार, अनारदाने

विधि

कर्ड राइस बनाने के लिए सबसे पहले चावल धोकर 15 मिनट के लिए भिगो दें। फिर चावल को पतीले में उबालकर छलनी से छाने लें और चम्मच से हल्का मसल लें। दही को फेंटकर हरी मिर्च, अदरक के साथ चावल में मिला दें। इसके बाद एक फ्राइंगपैन में तेल गर्म करें और सरसों के दाने, साबुत लाल मिर्च और नमक डालें। जब यह चटकने लगे तब हींग और कड़ी पत्ता डालें और काजू भी डाल दें। अब फ्राइंगपैन को आंच से उतारकर इस छौंक को दही वाले चावल में अच्छी तरह मिलाएं और कड़ी पत्ते और अनार के दानों से सजाकर सर्व करें।

भीगे हुए बादाम खाने के जबरदस्त फायदे

बादाम को शुरू से ही सेहत के लिए वरदान के रूप में जाना गया है। जब हम इसे रात भर पानी में भिगोकर सुबह छीलकर खाते हैं तो इसके फायदे दौगुना हो जाते है। बादाम में मौजूद मिनरल्स, विटामिन, डायटरी फाइबर दिमाग को तरोताजा रखने के साथ-साथ शरीर की मेटाबॉलिज्म में भी मददगार होता है। भीगा हुआ बादाम पचने में भी आसान होता है। आज हम आपको बादाम के गुणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

1. **ब्लड प्रेशर कंट्रोल :** हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया कि बादाम का सेवन करने से ब्लड में अल्फा टोकोफेरॉल की मात्रा बढ़ जाती है, जो किसी के भी बी.पी को कंट्रोल करने के लिए महत्वपूर्ण होता है। यह 30 से 70 वर्ष की उम्र के बीच के पुरुषों पर खास तौर पर प्रभाव डालता है।
2. **डायबिटीज :** रात में पानी में भिगोकर सुबह छिलका उतार कर बादाम खाने से जिन्हें शुगर हो चुकी हैं उनकी कमजोरी दूर करता है। खाना खाने के बाद बादाम लेने से ये शुगर और इंसुलिन का लेवल बढ़ने से रोकता है। जिससे डायबिटीज से बचा जा सकता है।
3. **मोटापा कम करें :** भीगे हुए बादाम एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत हैं। इसमें मौजूद मोनोअनसेचुरेटेड फैट आपकी भूख को रोकने और पूरा महसूस करने में मदद करते हैं। जिससे यह वजन कम करने में काफी मददगार है।
4. **दिल स्वस्थ :** यदि आप दिल की बीमारी से किसी भी रूप में पीड़ि?त हों तो स्वस्थ रहने के लिए आप अपने आहार में भीगे हुए बादाम को जरूर शामिल करें।
5. **बूढ़ा न होने दें :** अगर आप रोज लगातार भीगे हुए बादाम खाते हैं तो इससे आप में न तो कोई कमजोरी आएगी और आपकी त्वचा पर कभी भी झुर्रियां नहीं होगी। इसमें विटामिन ई अधिक मात्रा में होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)